घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 23- रविवार 23- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

कैश वैन से 7 करोड़ की लूट में बेंगलुरु पुलिस को सफलता

कॉन्स्टेबल समेत तीन आरोपियों को दबोचा

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2025। बेंगलुरु पुलिस ने सात करोड़ रुपये से अधिक की सनसनीखेज एटीएम कैश वैन डकैती के मामले को महज कुछ दिनों में सुलझा लिया है। पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि इस डकैती में खुद कैश वैन का इंचार्ज, एक पुलिस कांस्टेबल और सीएमएस कंपनी का पूर्व कर्मचारी शामिल था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और 5.76 करोड़ रुपये नकद बरामद कर लिए हैं। बेंगलुरु पुलिस ने सात करोड़ रुपये से अधिक कीएटीएम कैश वैन डकैती मामले को महज कुछ दिनों में सुलझा लिया है। पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि शहर में 7.11 करोड़ रुपये की लूट के सिलसिले में एक पुलिस कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जांच के लिए बनाई गईं 11 टीमें

बेंगलुरुएटीएम कैश डकैती मामले को लेकर पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि हमने ग्यारह टीमें बनाई थीं और इस काम के लिए 200 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को लगाया था। 30 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई और तीन को गिरफ्तार किया गया है। अपराधियों को ट्रैक करने के लिए सभी दक्षिणी राज्यों और गोवा में छह टीमें भेजी गईं। इनमें गाड़ी का इंचार्ज, सीएमएसइंफोसिस्टम्स का पुराना कर्मचारी और गोविंदपुरा पुलिस स्टेशन में तैनात एक पुलिस कांस्टेबल शामिल हैं।

भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई में रचा इतिहास,वित्त वर्ष 2025-26 में 1 बिलियन टन का आंकड़ा पार

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2025। भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 में 1 बिलियन टन (1000 मिलियन टन) का आंकड़ा पार कर लिया है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि 19 नवंबर तक रेलवे द्वारा कुल 1020 मिलियन टन (एमटी) माल लादा जा चुका है। यह उपलब्धि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और रेलवे की बढ़ती परिचालन दक्षता का प्रमाण मानी जा रही है। रेलवे की इस उपलब्धि में प्रमुख सेक्टरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कोयला 505 एमटी के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि लौह अयस्क 115 एमटी, सीमेंट 92 एमटी, कंटेनर ट्रैफिक 59 एमटी, पिग आयरन और तैयार स्टील 47 एमटी, उर्वरक 42 एमटी, खनिज तेल 32 एमटी, खाद्यान्न 30 एमटी तथा इस्पात संयंत्रों के कच्चे माल लगभग 20 एमटी के साथ शामिल रहे। अन्य वस्तुओं की माल ढुलाई 74 एमटी दर्ज की गई। दैनिक माल लदान भी निरंतर मजबूती बनाए हुए है, जो इस वर्ष औसतन 4.4 एमटी प्रतिदिन रहा, जबकि पिछले वर्ष यह 4.2 एमटी था। अप्रैल से अक्टूबर के बीच रेलवे की कुल माल ढुलाई 935.1 एमटी रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में दर्ज 906.9 एमटी की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। यह निरंतर सकारात्मक रुझान भारतीय उद्योगों एवं बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग को पूरा करने में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका को पुष्ट करता है।

CJI का शपथ ग्रहण 24 नवंबर को 7 देशों के मुख्य न्यायाधीश आएंगे

जस्टिस सूर्यकांत 53वें चीफ जस्टिस होंगे

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2025। जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को देश के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। राष्ट्रपति भवन में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में ब्राजील समेत दुनिया के सात देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में यह पहला मौका होगा जब किसी CJI के शपथ ग्रहण में इतनी बड़ी संख्या में दूसरे देशों के न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी होगी। समारोह में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के चीफ जस्टिस उनके साथ आए परिवार के सदस्य शामिल होंगे। मौजूदा CJI गवई का कार्यकाल 23 नवंबर को खत्म हो रहा है। अगले CJI जस्टिस सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे। उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा। CJI पद के शपथ ग्रहण के लिए राष्ट्रपति भवन में इस कार्यक्रम के लिए निमंत्रण पत्र बनकर तैयार हो गए हैं। जस्टिस सूर्यकांत का पूरा परिवार हिसार के पेटवाड़ गांव में रहता है। उनके बड़े भाई मास्टर ऋषिकांत गांव में परिवार के साथ रहते हैं, वहीं एक भाई हिसार शहर में और तीसरा भाई दिल्ली में रहता है।

जी 20 समिट में मेलोनी से मिले मोदी,ब्राजीली राष्ट्रपति डि-सिल्वा को गले लगाया

पुराने डेवलपमेंट मॉडल ने रिसोर्स छीने,इसे बदलना जरूरी : पीएम मोदी

केप टाउन,22 नवम्बर 2025। पीएम मोदी ने जोहान्सबर्ग में शनिवार को जी20 समिट में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दुनियाभर के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान ब्राजीली राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा को उन्होंने गले लगा लिया। इसके बाद मोदी ने समिट के पहले सेशन में भाषण दिया। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों पर भारत का नजरिया दुनिया के सामने रखा। मोदी ने पुराने डेवलपमेंट मॉडल के मानकों पर दोबारा सोचने की अपील की। उन्होंने कहा- पुराने डेवलपमेंट मॉडल ने रिसोर्स छीने, इसे बदलना जरूरी है। दूसरी ओर अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने 2026 की अध्यक्षता किसी 'खाली कुर्सी' को सौंपने की बात कही है। 2026 में जी20 की अध्यक्षता अमेरिका को मिलनी है, लेकिन अब तक कोई अमेरिकी ऑफिशियल समिट में शामिल नहीं हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत टेक्नोलॉजी और इनोवेशन साझेदारी की घोषणा

मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज और कनाडाई पीएम मार्क कार्नी के साथ बैठक के बाद ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत टेक्नोलॉजी और इनोवेशन साझेदारी की घोषणा की। मोदी ने बताया कि, 'आज साझेदारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।' मोदी ने कहा कि यह पहल तीनों साझेदारों के बीच सहयोग को गहरा करेगी। आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस को व्यापक रूप से अपनाने में सहायता करेगी।

अमेरिका के बायकॉट के बावजूद जी-20 घोषणा-पत्र मंजूर

ट्रम्प के जी 20 समिट को बायकॉट करने के बावजूद बाकी देशों ने साउथ अफ्रीका के बनाए घोषणा पत्र को आपसी सहमति से मंजूर कर लिया है। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने बताया कि सभी देशों का अंतिम बयान पर सहमत होना बेहद जरूरी था,भले ही अमेरिका इसमें शामिल नहीं हुआ। शुक्रवार को जी20 देशों ने बिना अमेरिकी भागीदारी के ही घोषणा पत्र का ड्राफ्ट तैयार कर लिया था। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने इसे शर्मनाक कदम बताया। ट्रम्प ने जी20 समिट के मुख्य एजेंडे को भी खारिज कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका चाहता था कि जी20 देश गरीब देशों की जलवायु आपदा से लड़ने में मदद करें, साफ ऊर्जा की ओर बढ़ें और विकासशील देशों के कर्ज के बोझ को कम करें।

साउथ अफ्रीका ने अमेरिकी अधिकारी को मेजबानी सौंपने के प्रस्ताव को खारिज किया : अमेरिका 2026 में जी20 की मेजबानी करेगा और रामफोसा ने कहा कि उन्हें यह अध्यक्षता किसी 'खाली कुर्सी' को सौंपनी होगी। रॉयटर्स के मुताबिक, साउथ अफ्रीकी अध्यक्षता ने जी 20 की मेजबानी सौंपने के लिए अधिकारी को भेजने के अमेरिकी प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।

दुनिया पुराने विकास मॉडल को बदले : पीएम मोदी

अफ्रीका में चल रहे जी20 समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि दुनिया पुराने विकास मॉडल पर दोबारा सोचे। उन्होंने कहा कि पारंपरिक मॉडल ने बड़ी आबादी को संसाधनों से दूर रखा है और प्रकृति का नुकसान भी किया है। इसका सबसे ज्यादा असर अफ्रीका झेल रहा है।

फ्रांस ने ट्रंप की अनुपस्थिति पर जताया अफसोस

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि ट्रंप की गैरमौजूदगी खलती है,लेकिन इससे काम रुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि इतने बड़े वैश्विक संकटों के बीच यह नेताओं का कर्तव्य है कि वे एकजुट होकर आगे बढ़ें। जी20 में 19 देश, यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ शामिल हैं,जो मिलकर दुनिया की 85 प्रतिशत अर्थव्यवस्था और आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। जी20 प्राय: सर्वसम्मति से काम करता है और जोहान्सबर्ग में भी यही सबसे बड़ी चुनौती बन गई है।

महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में दो वाहनों की टक्कर में पांच लोगों की मौत...आठ घायल

मुंबई,22 नवम्बर 2025। महाराष्ट्र के धाराशिव जिला स्थित अंदूरे इलाके में सोलापुर-हैदराबाद हाइवे पर शनिवार को सुबह दो वाहनों की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। मृतकों में तीन महिलाएं शामिल हैं। सभी घायलों को इलाज सोलापुर के सरकारी अस्पताल में हो रहा है। घायलों में कुछ लोगों की हालत गंभीर है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इस घटना की छानबीन धाराशिव पुलिस कर रही है। मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने आज बताया कि सुबह सोलापुर जिले के उले गांव के निवासी क्रूजर जीप से देवदर्शन के लिए सोलापुर के नलदुर्ग जा रहे थे।

यह क्रूजर कार शनिवार सुबह सोलापुर-हैदराबाद हाइवे से गुजर रही थी। जैसे ही धाराशिव के अंदुरे इलाके में उनकी जीप पहुंची, अचानक जीप का टायर फट गया। इस वजह से ड्राइवर जीप से कंट्रोल खो बैठा और जीप एक ट्रैक्टर से टकराकर सड़क पर पलट गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय गांव के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और क्रूजर जीप को सीधा किया और उसमें फंसे लोगों को बाहर निकाला। अभी तक की जानकारी के मुताबिक इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन महिलाएं शामिल हैं। इस घटना में आठ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

घायलों को इलाज के लिए सोलापुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस घटना में मृतकों और घायलों की पहचान का काम जारी है।

ठाणे जिले के अंबरनाथ में कार कई वाहनों से टकरा कर पलटी,4 की मौत,3 घायल

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2025। ठाणे जिले के अंबरनाथ में नगर निकाय के चुनाव प्रचार कर रहे उम्मीदवार की कार बीती रात कई वाहनों को टक्कर मारते हुए पलट जाने से 4 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। इस घटना की जांच अंबरनाथ पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। अंबरनाथ के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस (एसीपी) शैलेश काले ने शनिवार को बताया कि एक्सीडेंट में कार ड्राइवर समेत 04 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में दुर्घटनाग्रस्त वाहन पूरी तरह से कुचल गए हैं। मृतकों के शव बरामद कर सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तीन और लोग घायल हुए हैं और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। उन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इस घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव के लिए शिवसेना शिंदे समूह की उम्मीदवार किरण चौबे अपने ड्राइवर लक्ष्मण शिंदे के साथ चुनाव प्रचार के लिए मटका चौक के पास बुवा पाड़ा इलाके की ओर कार से जा रही थीं, तभी कार चालक का पैर अचानक एक्सीलेटर में फंस गया और कार अनियंत्रित हो गई। अनियंत्रित कार कई दोपहिया वाहनों को कुचलते हुए डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। मृतकों की पहचान ड्राइवर शिंदे, चंद्रकांत अनारके (57) और शैलेश जाधव (45), और सुमित चेलानी (17) के रूप में की गई है।

कांग्रेस ने सरदार पटेल के योगदान को जानबूझकर दबाया,भाजपा ने दिलाया सम्मान : जेपी नड्डा

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2025। नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका को याद करते हुए आरोप लगाया कि स्वतंत्रता के बाद चार दशकों तक कांग्रेस ने पटेल के योगदान को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया, जिसके वे वास्तविक हकदार थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही वह नेता हैं जिन्होंने सरदार पटेल को सही सम्मान दिलाया है। कार्यक्रम में नड्डा ने '@150 यूनिटी मार्च' को हरी झंडी दिखाकर पटेल की जयंती का शुभारंभ भी किया। नड्डा ने कहा कि भारत की आजादी के समय देश 562 रियासतों में बंटा था और ब्रिटिश शासन चाहता था कि भारत कमजोर और विभाजित रहे। लेकिन

सरदार पटेल ने दो वर्षों के भीतर इन सभी रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा योगदान देने के बावजूद कांग्रेस सरकारों ने राजनीतिक कारणों से पटेल को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। नड्डा ने आरोप लगाया कि 1950 से 1991 तक कांग्रेस सत्ता में रही।

दिल्ली: आईएसआई कनेक्शन वाला हथियार तस्करी नेटवर्क पकड़ा

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार मंगाते...लॉरेंस-गोगी जैसे गैंगस्टरों को सप्लाई करते थे

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2025। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शनिवार को आईएसआई कनेक्शन वाले एक बड़े इंटरनेशनल हथियार तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह से जुड़े चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है,जो पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हाईटेक हथियार मंगवाकर लॉरेंस,गोगी जैसे गैंगस्टरों को सप्लाई करते थे। क्राइम ब्रांच के मुताबिक,उन्हें इनपुट मिला था कि कुछ तस्कर दिल्ली में हथियार सप्लाई करने वाले हैं। इसके बाद रोहिणी एरिया में ट्रैप बिछाकर आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से तुर्की और चीन में बने 10 हाई-टेक पिस्टल और 92 जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस का कहना है कि बरामद हथियारों की क्वालिटी और नेटवर्क का विस्तार देखकर साफ है कि यह एक संगठित और हाई-फंडेड तस्करी मॉड्यूल था। पुलिस का कहना है कि बरामद किए गए हथियार बहुत आधुनिक हैं और इनके पीछे बड़ा नेटवर्क काम कर रहा था। इससे लग रहा है कि यह तस्करी का संगठित और हाई-फंडेड मॉड्यूल था।

हथियार पहले तुर्की-चीन से पाकिस्तान पहुंचाए जाते थे...

पुलिस के मुताबिक यह रैकेट पाकिस्तान से ऑपरेट हो रहा था। हथियार पहले तुर्की और चीन से पाकिस्तान पहुंचाए जाते, फिर वहां से ड्रोन के जरिए पंजाब में गिराए जाते थे। इसके बाद इन्हें यूपी और पंजाब के तस्करों की मदद से दिल्ली और आसपास के राज्यों तक भेजा जाता था और इसे लॉरेंस, बंबिहा, गोगी और हिमांशु भाऊ गैंग को पहुंचाया जाता था। नेटवर्क हवाला के जरिए पाकिस्तान पैसा भेजता था।

क्राइम ब्रांच पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी...

गिरफ्तार आरोपी पंजाब और यूपी के रहने वाले हैं। इनका नाम मनदीप, अजय, दलविंदर और रोहन है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि अब तक कितनी खेप भारत में भेजी जा चुकी है और किन गैंग्स तक हथियार पहुंचे। क्राइम ब्रांच मोबाइल लोकेशन, बैंक रिकॉर्ड और सोशल मीडिया लिंक के जरिए पूरे नेटवर्क और उसके विदेशी कनेक्शन की जांच कर रही है।

कश्मीर से आए फौजी समेत 3 दोस्तों की मौत

अमेठी में बुलेट ट्रक में टकराई,सड़क पर बिखरीं लाशें,पत्नी रो-रोकर हुई बेसुध

अमेठी,22 नवम्बर 2025। अमेठी में ट्रक और बुलेट की टक्कर हो गई। हादसे में फौजी समेत तीन दोस्तों की मौत हो गई। तीनों दोस्त की शादी से घर लौट रहे थे। बुलेट की स्पीड 100 के करीब थी। ट्रक सड़क पर खड़ा था। उन्होंने बचने के लिए बुलेट की ब्रेक मारी, लेकिन ट्रक से टक्कर हो गई। युवक छिटककर सड़क पर करीब 10 फीट दूर गिरे। लाशें सड़क पर बिखर गईं। तीनों के सिर में गंभीर चोटें आईं। फौजी के पेट में बंपर घुस गया। दो की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ा। बुलेट सवारों ने हेलमेट नहीं लगाया था। हादसा पीपरपुर थाना क्षेत्र के थौरा गांव के पास हुआ। मृतकों की पहचान महाराजपुर निवासी फौजी उत्कर्ष सिंह (32), बजरंग सिंह (25) और अंशु सिंह (29) के रूप में हुई। फौजी की तैनाती कश्मीर में थी। वह 20 नवंबर की दोपहर ही

कश्मीर से घर पहुंचा था। मौत की खबर सुनकर फौजी की पत्नी सोनम रो-रोकर बेसुध हो गईं। अंशु घर के इकलौते बेटे थे।

फौजी के पेट में घुसा बंपर, पैर कई जगहों से टूटा : ग्रामीणों के अनुसार, उत्कर्ष, बजरंग और अंशु शाम 7 बजे अपने दोस्त हीरालाल के शादी समारोह में पीपरपुर थाना क्षेत्र के हारीपुर गांव गए थे। रात 11 बजे खाना खाकर बुलेट से घर के लिए निकले थे। हम लोगों ने जाने से मना किया था, लेकिन वे नहीं माने। रात 12 बजे अमेठी-सुल्तानपुर रोड पर थौरा गांव के पास बुलेट सड़क पर खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसे के बाद राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। देखा तो उत्कर्ष और बजरंग की मौत हो चुकी थी, जबकि अंशु ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस के मुताबिक, तीनों को सिर, पैर और मुंह में गंभीर चोट आई है। बुलेट चला रहे उत्कर्ष के पेट में ट्रक का बंपर घुस गया। उनके पैर भी कई जगहों से टूट गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बुलेट के परखच्चे उड़ गए। ट्रक का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर भाग गया। पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर ड्राइवर की तलाश में जुट गई है।

हिंदू नहीं रहा तो दुनिया भी नहीं रहेगी ये हम नही इतिहास बता रहा है : भागवत

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2025। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू और हिंदुत्व पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि हिंदू नहीं रहा तो ये दुनिया भी नहीं रहेगी। ये हमारा इतिहास बता रहा है। मणिपुर की राजधानी इम्फाल में एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि हिंदू समाज दुनिया को चलाने में अहम है। कई आए, चमके और चले गए, मगर हिंदू समाज यहीं है। डॉ.भागवत ने कहा कि हिंदू समाज अमर है। बताया कि भारत ने युनान, मिस्र और रोम जैसे साम्राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, परिस्थिति का विचार सबको करना पड़ता है। परिस्थिति आती है और जाती है। दुनिया में सब देशों पर

तरह-तरह की परिस्थिति आयी और गयी। कुछ देश समाप्त हो गये। यूनान- मिस्र सब मिट गये। कुछ बात है हस्ती मिटती नहीं हमारी। भारत एक अमर सिविलाइजेशन का नाम है,बाकी सब आये,चमके और चले गये,लेकिन इन सबके उदय और अस्त हमने देखे हैं। हम अभी भी हैं, और रहेंगे, क्योंकि एक बेसिक नेटवर्क ऐसा हमने बनाया है अपने समाज का। उसके चलते हिंदू समाज रहेगा। हिंदु नही रहेगा तो दुनिया नंही रहेगी, क्योंकि ये धर्म नाम की चीज है,जिसका मैंने उल्लेख किया।समय-समय उसको जीकर दुनिया को देना, ये हिंदु समाज ही करेगा। उसका ये ईश्वर प्रदत कर्तव्य है। उन्होंने आगे कहा, 'इतने बड़े-बड़े नक्सलवादियों का द एंड हो गया, क्योंकि समाज ने तय किया अब बहुत हो गया। अब नहीं सहेंगे। समाज पैसिव नहीं रहा। जो ताकतें इसके विरुद्ध में हो सकती थीं, उनके साथ समाज हो गया। उनका बल बढं गया, इन पर कंट्रोल हो गया, ये प्रक्रिया सतत चलती है। ब्रिटिशों के साम्राज्य में सूर्य अस्त नहीं होता था। भारत में उनके सूर्य की अस्त की शुरुआत हो गई।

संपादकीय

टीचर्स ने क्यों नहीं समझा 10वीं क्लास के बच्चे का दर्द

बुलिंग से परेशान होकर कर लिया सुसाइड

दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश के रीवा तक, हाल की घटनाएं स्कूलों के माहौल पर बड़ा सवालिया निशान लगाती हैं। चार जगह चार मासूमों ने जान दी और सबके पीछे वजह यही थी कि टीचर्स ने उनके दर्द को नहीं समझा,उल्टे परेशान किया। इस तरह की घटनाएं किसी भी देश-समाज के लिए शर्मनाक हैं।

हालिया मामला दिल्ली का है,जहां 10वीं के बच्चे ने मेट्रो के सामने कूदकर जान दे दी। आरोप है कि टीचर्स उसे कई महीनों से परेशान कर रहे थे। इसी तरह रीवा में फांसी लगाने वाली 11वीं की छात्रा ने स्यूसाइड नोट में लिखा कि टीचर उसे मारते थे और हाथ पकड़ लेते थे। राजस्थान के करौली में 9वीं के बच्चे ने आखिरी शब्द लिखे कि मरने के बाद टीचर को जेल भिजवाना। वहीं,जयपुर केस में भी स्कूल की लापरवाही सामने आई है।

इन सभी मामलों को देखा जाए,तो एक बात सामान्य है कि स्टूडेंट्स जितना दूसरे बच्चों के व्यवहार से नहीं टूटे, उससे ज्यादा उन्हें शिक्षकों के रुखेपन और अनदेखी की वजह से धक्का लगा। जयपुर वाले केस में 9 साल की बच्ची अपने टीचर्स को बताती रही कि दूसरे बच्चे उसे परेशान करते हैं, मगर स्कूल ने उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

सीबीएसई की गाइडलाइंस के मुताबिक,हर स्कूल में रिड्रेसल कमिटी होनी चाहिए,जहां बच्चों की समस्याओं का समाधान किया जा सके। लेकिन,अगर समस्याएं सुनी ही नहीं जाएंगी, तो ऐसी किसी कमिटी का कोई फायदा नहीं। ज्यादातर स्कूलों में आज भी बुलिंग को लेकर संवेदनशीलता नहीं है। इसे बच्चों के बीच की सामान्य बात मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई बार तो टीचर खुद ऐसा बर्ताव करते हैं,जिससे बाल/किशोर मन को ठेस पहुंचती है, जैसा दिल्ली में हुआ।

स्कूलों की घटनाओं का स्टूडेंट्स के मन-मस्तिष्क पर असर लंबे समय तक रहता है। कई बार तो जीवन भर। विभिन्न स्टडीज बताती हैं कि पढ़ाई के दौरान का नकारात्मक अनुभव बच्चों को हमेशा के लिए अवसाद में धकेल सकता है।

स्कूल या किसी भी कैंपस का मतलब केवल शिक्षा नहीं, स्टूडेंट्स का सर्वांगीण विकास है। और ऐसा तब तक नहीं हो सकता, जब तक टीचर्स अपने स्टूडेंट्स की बातों पर ध्यान नहीं देंगे,उनकी मनोदशा नहीं समझेंगे। घर के बाद बच्चा सबसे ज्यादा समय कैंपस में ही बिताता है। पैरंट्स अपने बच्चों को इस यकीन के साथ भेजते हैं कि स्कूल में टीचर हैं, जो सब संभाल लेंगे। इस तरह की घटनाएं उस भरोसे को तोड़ने वाली हैं।

पलायन की स्थिति

मुस्कान केशरी,मुजफ्फरपुर,बिहार

भारत देश के अनेकों राज्यों में पलायन की स्थिति लगातार बढ़ रही है वजह रोजगार। वर्तमान समय में हर एक इंसान रोजगार चाहता है अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत जाता है इसलिए पलायन को मजबूर है लेकिन पलायन करने से उन्हें क्या अच्छा रोज़गार मिल पाता है या नहीं,ये जरूरी बात है क्योंकि पलायन करना सरल है लेकिन रोज़गार पाना वो भी सरल है क्या? अशिक्षा और अज्ञानता के कारण कभी-कभी लोग,बच्चों के पैदाइश अधिक कर लेते हैं जिसके कारण उनकी अगली पीढ़ी भी गरीबी को झेलती है। कभी सड़क के किनारे तो भारत सरकार एवं रेल प्रशासन की खाली पड़ी भूमि पर अस्थाई घर बनाकर रहते हैं जो उनके जीवन-यापन के लिए सुरक्षित जगह भी नहीं होता है लेकिन गरीबी से मजबूर होकर रहते हैं। यह स्थान इन सभी परिवारों का एकमात्र आश्रय स्थल होता है। सामाजिक-आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर होने के कारण ये उस जगह को घर भी नहीं बना पाते। वो साड़ी व कपड़े से घर बनाकर रहते हैं और दो वक्त के खाने के लिए अधिकांश परिवार दिहाड़ी मजदूरी,कचरा संग्रहण तथा छोटे-छोटे असंगठित कार्यों पर निर्भर होते हैं। ऐसे जगह के बच्चों में शिक्षा की कमी,कुपोषण,स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव,असुरक्षित आवास और साफ-सफाई की कमी जैसी समस्याओं को देखा जाता है। ऐसे में हर एक इंसान को शिक्षा की महानता को समझते हुए इन जगहों के बच्चे को स्कूल भेजना बहुत जरूरी है ताकि वो पलायन की स्थिति से बचे, गरीबी से बचे,अच्छी शिक्षा पाए और बड़े होकर रोज़गार पाए।।

आतंक पर निर्णायक सख्ती जरूरी

सुरक्षा,कानून और नागरिक चेतना—तीनों मोर्चों पर एक साथ बड़े बदलाव की आवश्यकता

>> भारत को आतंकवाद से निर्णायक रूप से निपटने के लिए तकनीक,क़ानून और नागरिक सहभागिता—तीनों स्तरों पर तेज़ बदलाव की आवश्यकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित राष्ट्रीय निगरानी तंत्र और आधुनिक डिजिटल जाँच प्रयोगशालाएँ सुरक्षा की मजबूत आधारशिला बन सकती हैं। त्वरित न्यायालय और कठोर दंड व्यवस्था न्याय प्रक्रिया को गति देंगे। गुप्त इंटरनेट,आभासी मुद्राओं और संदिग्ध धन-प्रवाह पर विशेष निगरानी भविष्य के खतरों को रोकने के लिए आवश्यक है। साथ ही नागरिक सहायता-सेवा, शीघ्र प्रतिक्रिया दल और दलगत राजनीति से ऊपर उठी साझा राष्ट्रीय सुरक्षा नीति ही एक सुरक्षित और सक्षम भारत का मार्ग प्रशस्त करेगी। <<

डॉ प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,हिसार (हरियाणा)

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है,जहाँ आतंकवाद का स्वरूप बदलकर और भी जटिल और खतरनाक हो चुका है। राजधानी दिल्ली से लेकर देश के विभिन्न शहरों में हाल की घटनाएँ केवल हिंसक वारदातें नहीं,बल्कि यह चेतावनी हैं कि हमारी सुरक्षा संरचनाओं में अभी भी जितनी मजबूती और तत्परता होनी चाहिए, वह नहीं है। हर विस्फोट केवल एक दुर्घटना नहीं,बल्कि यह प्रश्न भी है कि एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में भारत क्या अपनी आंतरिक सुरक्षा को उसी गंभीरता से देख रहा है,जैसी दुनिया के विकसित राष्ट्र देखते हैं? अमेरिका ने 9/11 की भयावहता के बाद आतंकवाद को एक ऐसे खतरे के रूप में लिया, जिसने उसके पूरे सुरक्षा तंत्र,कानून व्यवस्था और राजनीतिक दृष्टिकोण को बदलकर रख दिया। भारत को भी अब उसी स्तर की संवेदनशीलता और निर्णायकता की आवश्यकता है।

यह स्वीकार करना होगा कि आतंकवाद अब पुरानी सीमाओं से निकलकर नई तकनीकी दुनिया में प्रवेश कर चुका है। पहले जहाँ उसका संबंध बंदूक, प्रशिक्षण शिविर और सीमा पार से आने वाले गुरिल्ला नेटवर्क से होता था,वहीं अब उसका संचालन सोशल मीडिया,डार्क वेब,एन्क्रिप्टेड चैट,क्रिप्टो करेंसी और फर्जी पहचान के माध्यम से हो रहा है। आज एक अकेला व्यक्ति,जिसे 'लोन-वुल्फ' कहा जाता है, दुनिया में बैठे किसी भी संगठन से निर्देश पा सकता है और मिनटों में घटना को अंजाम दे सकता है। क्राउड-रैडिकलाइज़ेशन की प्रक्रिया इतनी तेज़ और गहरी हो चुकी है कि एक वीडियो,एक पोस्ट या एक उग्र भाषण ही कई युवाओं को गलत दिशा में धकेल सकता है। ऐसी स्थिति में यह सोचना कि आतंकवाद को केवल सीमापार से आने वाला खतरा माना जाए, वास्तविकता से आँख मूँद लेने जैसा है।

दिल्ली के नेहरू प्लेस जैसी घटनाओं ने फिर यह सामने ला दिया कि आतंक की तकनीक चाहे बदल जाए, पर हमारी कमियाँ वही पुरानी हैं। निगरानी कैमरों की संख्या सीमित है, उनकी गुणवत्ता अपर्याप्त है,और उनमे से भी कई खराब रहते हैं। कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में AI-आधारित निगरानी की व्यवस्था अब तक लागू नहीं है। यह भी एक कटु सत्य है कि जाँच एजेंसियों की क्षमता के मुकाबले घटनाओं की जटिलता कई गुना बढ़ गई है। आधुनिक दुनिया में जहाँ एक छोटे से डिवाइस में असंख्य डिजिटल प्रमाण छिपे हो सकते हैं, वहाँ हमारी फॉरेंसिक लैब्स की संख्या और आधुनिकता अभी भी सीमित है। सवाल यह भी है कि हम कब तक इन पुरानी कमजोरियों के साथ एक बदलती हुई दुनिया का सामना करेंगे?

एक आधुनिक राजधानी में 247 इंटेलिजेंट सर्विलांस सिस्टम होना चाहिए,जहाँ हर भीड़भाड़ वाला इलाका,हर बाजार, हर सार्वजनिक स्टेशन और हर संवेदनशील संस्थान AI- से जुड़े कैमरों की निगरानी में हो। अमेरिका,ब्रिटेन,फ्रांस और इजरायल ने वर्षों पहले यह सुनिश्चित कर लिया कि आतंकियों के लिए कोई अंधेरा कोना न बचे। भारत को भी अब निगरानी को प्राथमिकता देनी चाहिए। कानून व्यवस्था की मजबूती केवल पुलिस की संख्या बढ़ाने से नहीं आएगी, बल्कि यह तकनीक, डेटा और तेजी से काम करने वाले नेटवर्क से आएगी। यह भी एक गंभीर पहलू है कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में हमारी न्यायिक प्रक्रिया उतनी तेज़ नहीं है जितनी होनी चाहिए। वर्षों तक चलने वाली सुनवाई, गवाहों का मुकर जाना, कमजोर अभियोजन और डिजिटल साक्ष्यों की जटिलता—ये सब आतंकियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुँचाते हैं। जबकि अमेरिका ने 9/11 के बाद स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में न देरी स्वीकार्य है, न ढिलाई। भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि आतंकवाद के मामलों में न्याय शीघ्र और दृढ़ होना चाहिए। यह केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यता है। आतंकवाद को रोकने में नागरिक चेतना की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी एजेंसियों की। एक साधारण नागरिक की एक छोटी-सी सूचना कई बड़े हमलों को रोक सकती है। लेकिन अक्सर लोग पुलिस से संपर्क करने में संकोच करते हैं, उन्हें प्रक्रिया लंबी और जटिल लगती है, या वे यह सोचते हैं कि यह मेरा काम नहीं। यह मानसिकता बदलनी होगी। सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जहाँ नागरिक आसानी से सूचना दे सकें, और तत्काल प्रतिक्रिया तंत्र मौजूद हो। मोहल्ला-स्तर तक चौकसी को मजबूत किया जाना चाहिए।

नागरिक जब जागरूक होते हैं,तब आतंक के लिए जगह अपने आप कम होती जाती है। दुर्भाग्य यह है कि भारत में सुरक्षा नीति अक्सर राजनीतिक बहसों में उलझ जाती है। किसी घटना को विपक्ष सत्ताधारी दल की विफलता बताता है, और सत्ता दल उसे सिर्फ 'आतंकी षड्यंत्र' कहकर जिम्मेदारियों से बचने की कोशिश करता है। लेकिन आतंकवाद का कोई राजनीतिक रंग नहीं होता। वह न किसी विचारधारा का मित्र है, न शत्रु; वह सिर्फ राष्ट्र और उसके नागरिकों को नुकसान पहुँचाता है। इसलिए यह अनिवार्य है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीति से ऊपर रखा जाए। अमेरिका में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर दोनों दल एकजुट रहते हैं; भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए।

तकनीक इस युग की नई सुरक्षा दीवार है। भारत को अगले कुछ वर्षों में एक व्यापक तकनीक-आधारित सुरक्षा मॉडल बनाना होगा। AI- आधारित CCTV नेटवर्क, चेहरे की पहचान प्रणाली, रीयल-टाइम डेटा इंटरलिंकिंग, आधुनिक डिजिटल फॉरेंसिक लैब, साइबर विशेषज्ञों की नियुक्ति, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की निगरानी और डार्क वेब पर नज़र रखने वाली विशेष टास्क फोर्स—ये सभी कदम अत्यंत आवश्यक हैं। यह समझना होगा कि आतंकवाद को केवल बंदूक और बम से ही नहीं, बल्कि डेटा और तकनीक से भी हराया जा सकता है। आतंकवाद केवल मानव जनहानि का कारण नहीं बनता, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को भी गहरे घाव देता है। हर विस्फोट निवेश को डराता है, पर्यटन को कमजोर करता है और व्यापार पर सीधा असर डालता है। एक असुरक्षित राजधानी विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका को नुकसान पहुँचा सकती है। इस कारण सुरक्षा केवल नागरिक जीवन का ही नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य का भी प्रश्न है। भारत अब एक निर्णयकारी मोड़ पर है। समय आ गया है कि हम आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट, कठोर और आधुनिक नीति बनाएं—जिसमें कानून की ताकत, तकनीक की सटीकता, नागरिकों की जागरूकता और सरकार की इच्छाशक्ति—सभी एक साथ कार्य करें। 9/11 के बाद अमेरिका ने जो उदाहरण रखा, वह बताता है कि निर्णायक कदम लेने पर परिणाम बदलते हैं। भारत को भी यही सख्ती दिखानी होगी। क्योंकि राष्ट्र सुरक्षा किसी भी प्रकार के समझौते की वस्तु नहीं हो सकती। यह एक ऐसी जिम्मेदारी है,जिसमें देरी की कोई गुंजाइश नहीं है।

गले में स्टेथोस्कोप,मन में जहर,खतरनाक है आतंकवाद का बदलता रूप

व्हाइट कॉलर टेरर: लैब कोट में छिपा आतंक

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

भारत को अब जिस नए तरह के आतंक का सामना करना पड़ रहा है,वह सीमा-पार से नहीं बल्कि क्लासरूम,लैब और अस्पतालों के भीतर से जन्म ले रहा है। आतंकवाद का रूप अब बदल चुका है। वह अब सीमापार की घुसपैठ, जंगलों में छिपे गिरोहों या हथियारबंद टुकड़ियों तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी जड़ें उन सफेदपोश और शिक्षित लोगों तक पहुंच चुकी हैं,जिन्हें समाज सम्मान की दृष्टि से देखता था। आतंक का नया चेहरा वह है, जो लैब कोट पहनता है, रिसर्च पेपर लिखता है,अस्पताल मेंड्यूटी करता है,मेडिकल कॉलेज में पढ़ता है और आईटी कंपनियों में काम करता है। यही है 'व्हाइट कॉलर टेरर', जो भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी और सबसे खतरनाक चुनौती बन गया है। 'व्हाइट कॉलर टेरर' यानी शिक्षित,तकनीकी दक्ष और समाज में सम्मानित वे लोग, जो कट्टरपंथ की डिजिटल फैक्ट्रियों में वाहक बनते जा रहे हैं। दिल्ली के लाल किले के पास विस्फोट और डॉक्टरों के बड़े मॉड्यूल का पकड़ा जाना इस नई साजिश का सबसे भयानक संकेत है। ये न आतंकी दिखते हैं, न किसी पर संदेह होता है। लाल किले के पास कार में हुए विस्फोट में 11 लोग मारे गए और कई घायल हुए। विस्फोटक कार के चालक की पहचान जब सामने आई तो देश स्तब्ध रह गया क्योंकि वह कोई अपराधी, कोई पुराना संदिग्ध या किसी गिरोह का सदस्य नहीं बल्कि डॉक्टर था। पुलवामा का रहने वाला युवक

उमर मोहम्मद उन तीन डॉक्टरों का साथी निकला,जिनके पास से फरीदाबाद में लगभग 3000 किलो विस्फोटक और हथियार बरामद हुए थे। यह कोई साधारण संयोग नहीं बल्कि एक बेहद गहरी और सुनियोजित आतंकवादी साजिश की परतें खोलने वाला तथ्य है। डॉक्टर मुजम्मिल,डॉक्टर आदिल और डॉक्टर शाहीन, ये तीनों उस गिरोह के केंद्र में थे, जो देश की राजधानी में बे` पैमाने पर जनसंहार की योजना बना रहा था। इन सभी की प्रोफैशनल पहचान ने इतना मजबूत आवरण तैयार कर दिया था कि कोई इन्हें शक की निगाह से देख ही नहीं सकता था। इसी मॉडल का चौथा सदस्य डॉक्टर मोहिउद्दीन गुजरात पुलिस के आतंकवाद-निरोधक दस्ते की गिरफ्त में आया। चीन से मेडिसिन की पढ़ाई कर लौटे इस युवक को राइसिन जैसा घातक जहर तैयार करते हुए पकड़ा गया, जो एक ही बार में सैंकड़ों लोगों की जान ले सकता था। यह घटनाएं पहली नहीं हैं लेकिन निश्चित रूप से सबसे खतरनाक हैं। पुणे का डॉक्टर अदनान अली सरकार हो या बेंगलुरु की बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत इंजीनियर अथवा आईटी प्रोफैशनल्स, पिछले एक दशक में कई उच्च शिक्षित लोग आतंकी संगठनों के लिए काम करते हुए पक्के जा चुके हैं। ऑनलाइन पहचान छिपाने के लिए फर्जी नाम, छद्म प्रोफाइल, एन्क्रिप्टेड चैट और डार्क वेब समूहों का इस्तेमाल अब इनका सामान्य हथियार बन चुका है। आइएस, अल-कायदा या छोटे स्थानीय मॉड्यूल, ये सभी इस नए वर्ग को अपनी 'बौद्धिक सेना' बनाने में सक्रिय हो चुके हैं।

यह धारणा अब पूरी तरह मिथ्या साबित हो चुकी है कि केवल गरीब, वंचित या अशिक्षित लोग ही मजहबी उन्माद या सामाजिक उत्पीड़न के कारण कट्टरपंथी बनते हैं। हाल के वर्षों में आतंक के रास्ते पर चलने वाले लोगों की सूची देखें तो स्पष्ट होता है कि उनमें बड़ी संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, तकनीकी विशेषज्ञ और डिग्रीधारी युवा शामिल हैं। उनकी समस्या न तो आर्थिक है, न सामाजिक बल्कि वैचारिक है। वे इंटरनेट पर उपलब्ध कट्टरपंथी सामग्री, डार्क वेब चैट रूम, टेलीग्राम चैनलों और गहरे धार्मिक उन्माद से प्रेरित वीडियो के माध्यम से धीरे-धीरे विचलित होते हैं और फिर एक ऐसे जाल में फंस जाते हैं,जिसे वे खुद भी कभी समझ नहीं पाते। भारत में केरल, कश्मीर, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जहां प्रोफैशनल डिग्री वाले व्यक्ति आइएस, जैश, लश्कर या अल-कायदा के लिए काम करते हुए पकड़े गए। कुछ ने तो खुद के 'जिहादी मॉड्यूल' भी बना लिए, जिनके नाम मजहबी संदर्भों से प्रेरित थे, जैसे गजवा-ए-हिंद के नाम पर सक्रिय कई छोटे समूह। ये संगठन मजहबी मान्यताओं की मनचाही व्याख्याएं करके, उसे 'धर्मयुद्ध' का रूप देकर अत्याचार, जनसंहार और हिंसा को जायज ठहराते हैं। समय-समय पर इन पर फतवे भी जारी हुए, लेकिन कट्टरपंथियों पर उनका कोई असर नहीं पड़ा।

जिहादी आतंक कोई आत्मस्फूर्त हिंसा नहीं बल्कि एक घिनौनी विचारधारा का परिणाम है। यह विचारधारा मजहबी ग्रंथों की विकृत व्याख्याओं पर आधारित है। अब जब डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक भी इस विचारधारा का शिकार होने लगें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि समस्या कहीं गहरे छिपी है। सरकार, पुलिस और एजेंसियां अकेले इस विचार धारात्मक युद्ध को नहीं जीत सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक समूहों और सामाजिक नेतृत्व को मिलकर यह समझना होगा कि कट्टरपंथ कैसे जन्म लेता है और कैसे फैलता है। व्हाइट कॉलर टेरर की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह संदेह के दायरे से बाहर रहता है।

आरोप लगाने की राजनीति छोड़े विपक्ष

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राजग की प्रचंड जीत के बाद विपक्षी दल अपने पुराने और घिसे पिटे रुख पर कायम हैं। कुछ विपक्षी नेता तो मतदाताओं के विवेक पर ही सवाल उठा रहे हैं। चुनावों पर बेतुके सवाल उठाने का यह क्रम 2014 में केंद्र में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद से ही शुरू हो गया था। क्या राजग को बिहार में अनायास ही इतनी बड़ी जीत मिल गई?

इस पहेली को सुलझाने के लिए कुछ उन परिस्थितियों पर बात करनी होगी,जिसने राजग और महागठबंधन के चुनाव लड़ने के तरीके में अंतर पैदा किया। राहुल गांधी ने बिहार में एसआइआर को निशाने पर लेते हुए वोट चोरी के खिलाफ यात्रा निकाल बड़ा सियासी माहौल खड़ा किया। तेजस्वी यादव इस यात्रा में सारथी बने। जब गठबंधन में सीट बंटवारे पर बात शुरू हुई तो राहुल गांधी विदेश चले गए। नामांकन के आखिरी दिन तक मामला नहीं सुलझा और कुछ सीटों पर फ्रेंडली फाइट हुई।दूसरे चरण के मतदान के एक दिन पहले जब सभी दलों के नेता विभिन्न माध्यमों से मतदाताओं को अंतिम संदेश देने के लिए हाथ पैर मार रहे थे, तब कांग्रेस के शीर्ष नेता की सतपुरा टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी करती तस्वीर दिखी। पहले चरण के मतदान से खराब मौसम के कारण 36 वर्षीय युवा तेजस्वी यादव अपने निवास पर आराम फरमाते दिखे। इसके उलट खराब स्वास्थ्य के आरोपों का सामना कर रहे 74 साल के नीतीश कुमार सड़क मार्ग से फुलपरास विधानसभा जाकर रोड शो किए। ऐसे में सवाल तो उठेगा ही कि मतदाता किसे गंभीरता से लें,उन्हें जो अपनी कार्यशैली से चुनाव को पर्यटन के रूप में लेते हैं या उन्हें जो चुनाव को जीवन-मरण का लक्ष्य बनाकर मैदान में उतरते हैं। बिहार चुनाव में एक बड़ा अंतर गृहमंत्री अमित शाह ने अपनी रणनीति से पैदा किया। चुनाव से पहले राजग कई मोर्चे पर घिरा था। जदयू और लोजपा (आर) की अदावत के बीच उन्हें पांच दलों में सीट बंटवारे का फार्मूला तलाशना था। राजग के जीतने की स्थिति में नीतीश कुमार की महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की तर्ज पर विदाई की धारणा की काट भी खोजनी थी। पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह बनाए रखने के लिए भाजपा का सीएम बनने की संभावना की धारणा भी बनानी थी और उस युवा आक्रोश को संभालना था,जो रोजगार को लेकर उद्वेलित था और जिसने पिछले चुनाव में महागठबंधन को लगभग जीत की दहलीज पर ला खड़ा किया था।

-अंशुमान राव-

मजहबी कट्टरता का घना होता साया

-कामरान आलम खान-

दिल्ली में लाल किले के निकट आतंकी हमले को एक डॉक्टर की ओर से अंजाम दिए जाने के बाद मुस्लिम समाज में बढ़ रही कट्टरता को लेकर नए सिरे से चर्चा चल निकली है। इसलिए और भी, क्योंकि आतंकी हमले करने वाले डॉक्टर के कई साथी भी डाक्टर ही निकले हैं। पढ़े-लिखे मुस्लिम युवाओं का आतंक की राह पर चलना पिछले कुछ वर्षों में मुसलमानों के सामाजिक तानेबाने में आए परिवर्तन का नतीजा है। प्रतिबंधित जाकिर नाइक और इस जैसे कट्टरपंथी तत्वों के बढ़ते प्रभाव ने न केवल मुस्लिम युवाओं के मजहबी व्यवहार,बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन को भी प्रभावित किया है। भारतीय रीति-रिवाजों का विरोध, बुर्के और नकाब के चलन पर जोर, शरीयत आधारित जीवनशैली की वकालत और स्थानीय परंपराओं को गैर-इस्लामी बताने की प्रवृत्ति ने भारतीय मुसलमानों के भीतर एक नई तरह का सोच पैदा की है। कभी होली-दीवाली मनाने, मिलजुल कर रहने, संगीत, नृत्य आदि कलाओं में रूचि दिखाने वाले अनेक मुस्लिम

अब धीरे-धीरे एक बंद घेरे में सिमटते जा रहे हैं। लगता है अरबीकरण की प्रक्रिया चुपचाप भारतीय इस्लाम के आत्मा को बदल रही है। यह प्रवृत्ति नई नहीं, लेकिन हाल के वर्षों में इसे संगठित और वैचारिक रूप से मजबूत किया गया है। बैक टू ओरिजिंस यानी इस्लाम के प्रारंभिक स्वरूप की ओर लौटने का नारा मूल रूप से सामाजिक सुधार का प्रतीक था, पर अब कट्टरपंथी तत्वों ने इसे अलग सांस्कृतिक पहचान के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। पहनावा,भाषा और सामाजिक आचरण तक को मजहबी सीमा में बांध देने से एक ऐसा चिंतन उभर रहा है,जो भारतीय इस्लाम की मिश्रित,सूफी और मानवीय परंपरा से टकराती है। नतीजा यह है कि आज मुस्लिम समाज के भीतर ही उदार और कट्टरपंथी धाराओं का संघर्ष गहराता जा रहा है।

इस्लाम जब भारत आया,तब उसने यहां की मिट्टी के साथ संवाद स्थापित किया और भारतीय संस्कृति को आत्मसात किया। इसमें सूफियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही,जिन्होंने इस्लाम को प्रेम, करुणा और आत्मीयता के माध्यम से स्थानीय जीवन में समाहित किया। कट्टरपंथी इस्लामिक तत्व इसे हजम नहीं कर पा रहे कि सूफीवाद और हिंदू दर्शन के बीच की समानताएं गहन और प्रभावशाली हैं। इसका उदाहरण मंसूर अल-हिल्लाज का उद्घोष 'अन-अल-हक' (मैं सत्य हूं) है।

कविता

समय

लक्ष्मीनारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद
छत्तीसगढ़

चोबीस घंटा मा होते एक दिन अउ रात।
बेरा बड़ा कीमती हे समझ तँय ये बात।।
सात दिन सप्ताह पंद्रह दिन के पाख।
अंधियारी अंजोरी दोना ला संग मा राख ।।
बावन हप्ता अउ बारा महीना के साल।
कर एकर उपयोग बदल ही तोर हाल।।
तीन सौ पैंसठ दिन मा होते एक बछर।
ये बात ला धर जिन्गी मा कुछ नवा कर।।
चार दिन के आए जिंगानी झन हो नाराज।
हास गोठिया ले नही ते निकल जही आज।।
सब बर भगवान एके बेरा बखत बनाए हे।
कोनो कुछ पाए ता कोनो फोकट गंवाए हे।।
धन दौलत तुम ला सब वापस मिल जाही।
समय निकलही ता वापस कभू नइ आही।।
समय के कीमत ला तुम सब जानौ जी।
हर पल कीमती आए तुम सब मानौ जी।।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

जल-जंगल-जमीन के लिए आदिवासी परम्परा को संरक्षित करने की जरूरत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय राजमोहिनी देवी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 21 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। कार्याक्रम के मुख्य अतिथि महापौर मंजूषा भगत ने सरगुजिहा बोली में वक्तव्य दिया व छात्राओं को अपनी बोलियों को बोलने के लिए प्रात्साहित किया। अपनी जाति पर लाज रखने की बात को छोडने के लिए कहा साथ ही राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु के सरगुजा अगमन पर भी चर्चा की। उन्होने जल-जंगल-जमीन और आदिवासी परम्परा को संरक्षित करने की बात कही। विशिष्ट अतिथि रामलखन पैंकरा ने जनजातीय संस्कृति, परंम्परा को गैर जनजाति तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा की कुछ बातें अन्य समुदाय जनजातीय संस्कृति से भी सीख सकते हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इन्दर भगत ने 1857 की क्रांति व उसके पूर्व के जनजातीय जननायक पर विस्तार से प्रकाश डाला और भगवान बिरसा मुण्डा के योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। छात्राओं द्वारा फैन्सी ड्रेस की प्रस्तुति दी गई,जिसमें मानसी राजवाडें को उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं भरथरी गीत गायन पर विशिष्ट अतिथि रामलखन सिंह पैंकरा द्वारा इनाम राशि दी गई। महाविद्यालय प्रांगण में फूड फेस्टिवल भी मनाया गया जिसमें छात्राओं द्वारा विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों का स्टॉल लगाया गया। कार्यक्रम के अंत में करमा नृत्य द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्वेता सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यकम का समापन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक प्रियंका सिन्द्रामे,सहायक प्राध्यापक प्राणीशास्त्र, एवं सह संयोजक श्वेता,सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र रहीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्राओं की उपस्थिति रही।

अगरतला में आयोजित इंटरनेशनल हेरिटेज फेस्टिवल में शामिल होने पहुंचे विश्व विजय सिंह तोमर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में आयोजित इंटरनेशनल हेरिटेज फेस्टिवल में देश-विदेश के युवा भाग ले रहे हैं। यह कार्यक्रम 20 से 26 नवंबर तक चल रहा है और युवा विकास केंद्र त्रिपुरा द्वारा आयोजित किया गया है। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों से 375 युवा प्रतिभागी शामिल हैं, जबकि नेपाल, श्रीलंका और अफ्रीका के 7 देशों से भी कुल 35 प्रतिभागी इस आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं। फेस्टिवल का उद्घाटन 20 नवंबर को त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने किया। 22 नवंबर को छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर भी अगरतला पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया। तोमर 22 से 25 नवंबर तक इस कार्यक्रम में भाग लेंगे,जहां वे युवाओं को आगे बढ़ाने और विरासत से जुडने के महत्व पर चर्चा करेंगे। यह कार्यक्रम विभिन्न भाषाओं,समुदायों और क्षेत्रों से जुड़े युवाओं के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है, जहां वे अपनी संस्कृति और देश की धरोहर को बढ़ावा देने के तरीके सीख रहे हैं। तोमर इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की भव्य विरासत और राज्य की विविधताओं को भी साझा करेंगे।

सरगुजा के 16 मंडलों में 'मन की बात' कार्यक्रम हेतु संयोजक-सह संयोजकों की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'मन की बात' को जन-जन तक पहुँचाने जिला स्तर पर नई टीम का गठन, 30 नवंबर को प्रसारित होने वाले 128 वें एपिसोड के लिए तैयारी शुरू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मन की बात हर महीने होने वाले कार्यक्रम का सरगुजा जिले के 16 मण्डल में संयोजक,सह-संयोजक बनाए गए। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय जी एवं प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव जी के मार्गदर्शन में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया जी के सहमति से मन की बात जिला संयोजक जन्मेजय मिश्रा ने मण्डलों के संयोजक,सह-संयोजक की घोषणा की है। पदाधिकारियों में क्रमशः महामाया मण्डल संयोजक रवि विश्वकर्मा, सह-संयोजक रंजीत चौबे,डॉ पुष्पेंद्र शर्मा, समलाया मण्डल मनीष वारी, सत्यम साहू, अम्बिकापुर ग्रामीण पन्ना लाल राजवाड़े, सागर विश्वकर्मा, लखनपुर राहुल अग्रवाल, शिवराज सिंह चैहान, रामगढ़ रमेश यादव, ओमकार सिंह, देवगढ़ लवकेश राजवाड़े, प्रमोद जायसवाल, कुन्नी अजय सोनी, सुरेश कुमार, दरिमा मोती दास, शशी शेखर सिंह, रामप्रसाद कुशवाहा, नवानगर सुमार दास, बुद्धि यादव, मैनपाट मोहित नामदेव, रामकृपाल यादव, सीतापुर विन्धेश्वरी लाल पैकरा, संतोषी पावले,राजापुर सत्यनारायण कश्यप,राजाराम यादव,बतौली अनिमेश अग्रवाल,विवेक गोयल, लुण्ड्रा राजीव कश्यप,अमृत लाल यादव,धौरपुर ब्रम्हदेव गुप्ता, सतीश सारथी,परसा सुनील यादव, किसन केसरी को नियुक्त किया गया है ।

उल्लेखनीय है कि नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात हर महीने ऑल इंडिया रेडियो पर राष्ट्र को संबोधित करते हैं। जिसकी शुरूआत 03 अक्टूबर 2014 से अधिकारिक रूप से हुई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधान मंत्री जी के विचारों को देश की जनमानस तक पहुंचाना और जो देश की सेवा समाज सुधार का कार्यक्रम अलग-अलग समूहों या व्यगतिगत सराहनी कार्य जो भी प्रेरणादायी हों उन्हें संवाद के माध्यम से जनमानस तक पहुंचाने का एक माध्यम है, चूंकि भारत में अभी भी हर जगह खासकर अलग-थलग ग्रामीण और कम विकसित क्षेत्रों में टेलीविजन कनेक्शन उपलब्ध नहीं है। इसलिए इसके व्यापक पहुंच के कारण रेडियो को इस कार्यक्रम का माध्यम चुना गया है। एक अनुमान है की देश की आबादी के 90 प्रतिशत लोग इस माध्यम से जुड़े हुए हैं। जनेमेजय मिश्रा ने बताया कि सरगुजा जिले में जन-जन तक प्रधानमंत्री जी के मन की बात पहुंचे तथा 128 वाँ एपिसोड 30 नवम्बर को 11: 00 बजे शुरू होगी। जो कोई अपने सुझाव-विचार देना चाहते हैं वो टोल फ्री नंबर 1800-11-7800 के माध्यम से देने का उन्होंने अपील किया है ।

राजीव भवन में पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव ने जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की

SIR को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रभारियों की नियुक्ति की

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव ने जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत स्थित दसों सांगठनिक ब्लॉक के अध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष के साथ ही साथ एसआईआर के लिये नियुक्त लोकसभा, विधानसभा,ब्लॉक के प्रभारी एवं सहप्रभारी मौजूद थे। समीक्षा बैठक में बूथवार आंकलन से यह स्पष्ट हुआ कि एसआईआर को लेकर प्रशासन के द्वारा जारी किए गए आंकड़े धरातल पे मौजूद यथार्थ से मेल नहीं खा रहे हैं। प्रशासन के द्वारा मुहैया कराए गए आंकड़ों के अनुसार लगभग शतप्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण मतदाताओं तक हो चुका है। यथार्थ स्थिति में बीएलओ मतदाताओं तक जा ही नहीं रहे हैं। क्षेत्रवार लगभग 40 से 55 प्रतिशत मतदाताओं को गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में धान कटाई में ग्रामीणों के व्यस्त रहने के कारण एसआईआर के दैनिक कार्यावधि को बढ़ाने की बात सामने आई है। बैठक में मौजूद पार्टी के कई बूथ लेवल एजेंट ने बीएलओ के द्वारा असहयोग और दुर्व्यवहार की जानकारी दी गई है। यह भी जानकारी सामने आई है कि कई स्थानों पर बीएलओ गणना प्रपत्रों का वितरण खुद न कर एक विशेष राजनीतिक दल के पदाधिकारियों और इस दल से संबंध रखने वाले पंच और पार्षदों के माध्यम से कर रहे हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव ने ऐसी स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए यह निर्देश दिया है कि ऐसी गतिविधियों वाले बीएलओ के विरुद्ध संबंधित ईआरओ को तत्काल लिखित शिकायत की जाए। उन्होंने कहा है कि गणना प्रपत्रों के वितरण और उन्हें भरवाकर इकट्ठा करने के लिये अब मात्र 12 दिन का समय शेष है। ऐसे में प्रशासन को चाहिए कि बीएलओ को अतिरिक्त मानवीय सहयोग उपलब्ध कराए। उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटी को निर्देश दिया है कि इन मुद्दों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी को आवेदन दिया जाये जिससे मतदाताओं की परेशानी कम हो।

एसआईआर को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रभारियों की नियुक्ति की : 7 फरवरी 2026 तक चलने वाले एसआईआर की प्रक्रिया के समन्वय को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने लोकसभा, विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर प्रभारियों की नियुक्ति की है। सरगुजा लोकसभा के लिए निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद प्रभारी होंगे। अम्बिकापुर विधानसभा के लिए 20 सूत्रीय कार्यक्रम के पूर्व उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल,सीतापुर विधानसभा के लिए पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत और लुण्ड्रा विधानसभा के लिये सोमेश्वर सिंह प्रभारी नियुक्त हुए हैं। ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों में अम्बिकापुर शहर के लिए डॉ अजय तिर्की, दरिमा के लिए राकेश गुप्ता,अम्बिकापुर ग्रामीण के लिए विनीत विशाल जायसवाल,लखनपुर के लिये विक्रमादित्य सिंहदेव,उदयपुर के लिए सिद्धार्थ सिंह,लुण्ड्रा के लिये मधु सिंह, धौरपुर मुनेश्वर राजवाड़े, सीतापुर डॉ लालचंद यादव, मैनपाट मो इस्लामुद्दीन और बतौली में संजीव मंदिलवार की नियुक्ति बतौर प्रभारी हुई है। प्रत्येक ब्लॉक में 2 से 3 सह प्रभारियों की भी नियुक्ति हुई है।

शा उ मा विद्यालय कल्याणपुर में राष्ट्र आराधन कार्यक्रम हुआ आयोजित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पतंजलि योग समिति छत्तीसगढ़ के द्वारा शा उ मा विद्यालय कल्याणपुर में दिनांक 22/11/25 को समय 9:00 बजे से 10:00 बजे तक योग विज्ञान के माध्यम से जीवन प्रबंधन एवं राष्ट्र आराधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अध्ययनरत छात्र छात्राओं को यौगिग जागिंग के बारह अभ्यास,सूर्य नमस्कार,भस्त्रिका प्राणायाम,कपाल भांति प्राणायाम, अनुलोम-विलोम प्राणायाम, भ्रामरी उदगीत प्राणायाम, प्रणव प्राणायाम कराया गया, इससे होने वाले लाभों के संबंध विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। योग हमारे देश के ऋषि मुनियों की विरासत धरोहर है वर्तमान समय में युवक युवतियों को विशेष रूप से अपनाने की आवश्यकता है, विद्यार्थियों को ज्ञान, भक्ति, कर्म को आत्मसात करने की नितांत आवश्यकता है, तभी वे डाक्टर,इंजीनियर,आई एस,आई पी एस,अच्छा खिलाड़ी, प्रोफेसर, विधायक, मंत्री,बनने में बहुत सहायक होता है। योग से मानव जीवन उत्साह और उत्सव में परिवर्तित हो जाता है।

सहकारी समिति के प्रबंधकों व कंप्यूटर ऑपरेटरों ने स्थगित की हड़ताल, कहा...एफआईआर,निलंबन और बर्खास्तगी करें शून्य

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने अपना अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित कर दिया है। अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर वे 3 नवंबर से हड़ताल पर थे। हड़ताली कर्मचारियों का कहना है कि किसान हित, लोक हित व सोसायटी हित में हमने ये फैसला लिया है। साथ ही उन्होंने उनके ऊपर एस्मा के तहत की गई एफआईआर,निलंबन,बर्खास्तगी व स्थानांतरण की कार्रवाई को शून्य करने की मांग शासन से की है। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ व समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कंप्यूटर ऑपरेटर संघ अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर थे। जबकि 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होनी थी। इधर शासन स्तर पर समिति प्रबंधकों व कंप्यूटर ऑपरेटरों की वैकल्पिक व्यवस्था कर धान खरीदी की व्यवस्था को शुरु कराया गया था। इसके बाद भी कई जगहों से धान खरीदी ठीक ढंग से नहीं होने की बात सामने आ रही थी। इसी बीच शासन की ओर से हड़ताली कर्मचारियों को काम पर लौटने कहा गया था।

एस्मा के तहत हुई कार्रवाई : हड़ताली कर्मचारियों व कंप्यूटर ऑपरेटरों के काम पर नहीं लौटने पर शासन-प्रशासन द्वारा उनपर एस्मा के तहत कार्रवाई शुरु की गई। इस कड़ी में समिति प्रबंधकों के खिलाफ एफआईआर, निलंबन, बर्खास्तगी व कंप्यूटर ऑपरेटरों का स्थानांतरण किया गया।

स्थगित कर दी हड़ताल : शासन स्तर से हो रही कार्रवाई को देखते हुए सहकारी समिति कर्मचारी संघ भी दबाव में आया। वहीं शासन स्तर से भी उनकी मांगों के संबंध में पहल का आश्वासन मिला। इस पर संघ ने संयुक्त रूप से आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया। साथ ही उन्होंने एस्मा के तहत की गई कार्रवाई को शून्य करने की मांग की है।

कृषि महाविद्यालय की छात्रा ईशा टोप्पो को मिला बेस्ट एथलीट का खिताब

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राज मोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र अंबिकापुर में चार दिवसीय उत्तर परीक्षेत्रीय अंतर महाविद्यालय खेल कूद प्रतियोगिता 2025-26 का समापन 21 नवंबर को किया गया। प्रतियोगिता में उत्तर क्षेत्र के 10 महाविद्यालय के 376 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न एथलेटिक इवेंट्स, रिले रेस एवं टीम इवेंट्स में भाग लिया। इस खेलकूद प्रतियोगिता में बेस्ट एथलीट का खिताब राज मोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र की छात्रा ईशा टोप्पो के नाम हुआ। ओवरऑल रनर अप का खिताब राज मोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के नाम रहा एवं ओवरऑल चैंपियन बीटीसी कृषि महाविद्यालय अनुसंधान केंद्र बिलासपुर के नाम गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ संजय शर्मा अधिष्ठाता छात्र कल्याण इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर ने कहा कि जीत और हर से कोई फर्क नहीं पड़ता हम सब में आगे बढ़ाने की ललक होनी चाहिए। कार्यक्रम डॉ.गिरीश चंदेल कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के मार्गदर्शन में एवं डॉ संतोष कुमार सिंह अधिष्ठाता,राज मोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र अंबिकापुर की अध्यक्षता में समापन किया गया।

शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में मनाया गया एनसीसी स्थापना दिवस

भूतपूर्व सैनिक के द्वारा ओपन जिम एवं क्रिकेट नेट पिच का हुआ शुभारंभ

-संवाददाता-
बलरामपुर, 22 नवंबर 2025/ (घटती-घटना)।

शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में एनसीसी स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भूतपूर्व सैनिक श्री आनंद नेताम, अनुविभागीय अधिकारी रामानुजगंज, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. अगस्टिन कुजूर, प्राचार्य, शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर मौजूद रहे। मुख्य अतिथि भूतपूर्व सैनिक व रामानुजगंज एसडीएम श्री आनंद नेताम ने अपने वक्तव्य में कहा कि एनसीसी युवाओं में राष्ट्रहित की भावना, शौर्य, अनुशासन एवं आदर्श व्यवहार को लाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि राष्ट्र सेवा की भावना जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य होना चाहिए, और एनसीसी इस दिशा में युवाओं को तैयार करती है। उन्होंने बताया कि एनसीसी और एनएसएस जैसी संस्थाएँ युवा शक्ति को सही दिशा देने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे संगठन छात्रों में नैतिक मूल्यों, समाज सेवा एवं नेतृत्व गुणों का निर्माण करते हैं, जो राष्ट्रीय विकास की आधारशिला हैं। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा अनुशासित परेड का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नेताम ने ओपन जिम और नेट प्रैक्टिस क्रिकेट पिच का शुभारंभ करते हुए एनसीसी कैडेट्स को बी एवं सी प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

CMYK

पुतिन ने किया यूएस की शांति योजना का समर्थन

कहा- बन सकती है यूक्रेन युद्ध खत्म करने का आधार

मास्को,22 नवम्बर 2025। अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पेश किए गए शांति समझौते के प्रस्ताव पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार देर रात बयान जारी किया। पुतिन ने कहा कि शांति समझौते का अमेरिकी प्रस्ताव यूक्रेन के खिलाफ मास्को के युद्ध के समाधान का आधार हो सकता है। इस दौरान व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को सीधे तौर पर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कीव इस शांति समझौते के प्रस्ताव को नामंजूर करता है तो रूसी सेनाएं और आगे बढ़ेंगी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पुतिन ने रूसी सुरक्षा परिषद की एक बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों से कहा, 'मेरा मानना है कि इसे आखिरी शांतिपूर्ण समझौते के आधार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।'

अमेरिकी की शांति योजना से क्यों रूस को फायदा : अमेरिका-रूस की ओर से तैयार शांति योजना के शीर्षक वाले इस फ्रेमवर्क में 28 सूत्रीय एजेंडा रखा गया है। इसके तहत यूक्रेन की संप्रभुता की पुष्टि होगी, लेकिन उसके सशस्त्र बलों की संख्या 600,000 तक सीमित रहेगी। वहीं, यूक्रेन का एक बड़ा हिस्सा रूस को सौंपा जाएगा। साथ ही कीव को नाटो में स्थायी रूप से शामिल होने से रोका जाएगा। इस प्रस्ताव के मुताबिक नाटो को भविष्य में कभी भी यूक्रेन को शामिल नहीं करने और यूक्रेन में अपने सैनिकों को तैनात नहीं करने पर सहमत होने का भी प्रस्ताव है। यूक्रेनी मीडिया के मुताबिक पुतिन ने कहा कि रूस समझौते के प्रस्ताव के संबंध में लचीलापन दिखाने के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि अमेरिकी प्रस्ताव अगस्त में रूसी और अमेरिकी नेताओं के बीच अलास्का शिखर सम्मेलन में रखे गए प्रस्ताव का बेहतर संस्करण है।

रूस को हराने का सपना देख रहे : व्लादिमीर पुतिन

पुतिन ने आगे साफ करते हुए कहा, 'लेकिन इस पर हमारे साथ कोई ठोस चर्चा नहीं हुई है।' पुतिन के हवाले से कहा गया, 'यूक्रेन इसके खिलाफ है। जाहिर है, यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगी अभी भी भ्रम में हैं और युद्ध के मैदान में रूस को रणनीतिक रूप से परास्त करने का सपना देख रहे हैं।'

रूस से हटेंगे प्रतिबंध, जी-7 में फिर से होगा शामिल

इस प्रस्ताव में अमेरिकी फ्रेमवर्क के अनुसार रूस फिर से हमला न करने की प्रतिबद्धता जताएगा और उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था में फिर से शामिल किया जाएगा। इसके तहत संभावित प्रतिबंधों में ढील पर चर्चा भी शामिल है। इसके तहत मास्को को जी7 में वापस आने के लिए भी आमंत्रित किया जाएगा। जो पहले ज8 था, 2014 में क्रीमिया पर अवैध कब्जा करने और पूर्वी यूक्रेन में सैन्य हस्तक्षेप के बाद रूस को इससे बाहर कर दिया गया था।

नाटो पर हमला कर सकता है रूस बोले- यूक्रेन के सहयोगी

यूरोपीय और यूक्रेनी अधिकारियों ने प्रस्ताव के कुछ पहलुओं की आलोचना की। उनका दावा था कि यह केवल मास्को के पक्ष में है। उन्होंने चेतावनी दी कि रूस के आगे झुकने से पुतिन को नाटो पर हमला करने के लिए ही प्रोत्साहन मिलेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीव को थैंक्सगिविंग डे तक की समयसीमा दी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने में यूक्रेन के सामने बहुत कठिन विकल्प है। वाशिंगटन का हवाला देते हुए जेलेंस्की ने कहा, 'या तो सम्मान का नुकसान होगा या एक महत्वपूर्ण सहयोगी को खोने का जोखिम होगा।'

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो गिरफ्तार

कुछ दिन बाद शुरू होने वाली है 27 साल की जेल की सजा

साओ पाउलो,22 नवम्बर 2025। ब्राजील की संघीय पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई जब बोल्सोनारो कुछ ही दिनों में अपनी 27 साल की जेल सजा शुरू करने वाले थे। उनकी सहयोगी अंद्रिएली सिरिनो ने बताया कि गिरफ्तारी सुबह करीब 6 बजे हुई।

कैसे और क्यों हुई गिरफ्तारी?

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बोल्सोनारो को उनकी घर में नजरबंदी वाली जगह से हिरासत में लेकर राजधानी ब्रासीलिया स्थित संघीय पुलिस मुख्यालय लाया गया। यह कार्रवाई ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर की गई। बोल्सोनारो को तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था। उन पर आरोप था कि 2022 के चुनाव में हार के बाद उन्होंने सरकार पलटने, लोकतंत्र खत्म करने और हिंसा भड़काने की कोशिश की। अभियोजन पक्ष ने अदालत में यह भी कहा था कि साजिश में राष्ट्रपति लूला की हत्या की योजना और 2023 की शुरुआत में विद्रोह भड़काने की कोशिश भी शामिल थी। अदालत ने उन्हें सशस्त्र आपराधिक संगठन चलाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को हिंसा से समाप्त करने की कोशिश के अपराधों में दोषी पाया।

जेल क्यों ले जाया जा रहा है : अभी तक बोल्सोनारो घर में नजरबंद थे, लेकिन ब्राजील के कानून के अनुसार सजा शुरू होने पर किसी भी दोषी को जेल में जाना जरूरी है।

इसलिए शनिवार की गिरफ्तारी का मतलब यह नहीं है कि वे पुलिस मुख्यालय में ही अपनी सजा काटेंगे; उन्हें जेल में शिफ्ट किया जाएगा। बोल्सोनारो के बेटे,सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो, पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर लोगों से अपने पिता के समर्थन में सड़कों पर उतरने की अपील कर रहे हैं।

टीटीपी के बढ़ते आतंक ने पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था की खोली पोल,खैबर पख्तूनख्वा में 17 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद,22 नवम्बर 2025। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक बार फिर आतंकी गतिविधियों का जाल सामने आया है, जिससे देश की सुरक्षा व्यवस्था की विफलता उजागर हो गई है। बन्नू जिले में टीटीपी आतंकियों की मजबूत मौजूदगी और लगातार हो रही मुठभेड़ों ने साबित कर दिया है कि पाकिस्तान अपनी ही जमीन पर फैल रहे आतंक के खिलाफ प्रभावी रणनीति बनाने में नाकाम है। 17 टीटीपी आतंकियों का मारा जाना इसी गहरी जड़ें जमा चुके आतंकी नेटवर्क का संकेत है। शेरी खैल और पक्का पहाड़ खैल में आतंकियों की सक्रिय मौजूदगी की पुष्टि के बाद सुरक्षा बलों ने अभियान चलाया। लेकिन यह खुद इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तानी एजेंसियां पहले आतंकियों को बढ़ने देती हैं और बाद में कार्रवाई का दिखावा करती हैं। वर्षों से टीटीपी खुलकर पाकिस्तान में हथियारों और विस्फोटकों के साथ सक्रिय है, जिसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है।

पाकिस्तान की नापाक 'निगरानी' उजागर : आईजीपी जुल्फिकार हमीद के अनुसार पहले अभियान में 10 आतंकी मारे गए और एक फसिलिटेटर गिरफ्तार हुआ। लेकिन सवाल यह है कि इतने बड़े आतंकी नेटवर्क की जानकारी पाकिस्तान को पहले क्यों नहीं मिली। सात शव बरामद हुए जबकि तीन दुर्गम इलाके में रहे यह भी पाकिस्तान की कमजोरी है कि आतंकवादी पहाड़ी क्षेत्रों में पूरे सिस्टम को चुनौती दे रहे हैं और सरकार वर्षों से हालात काबू नहीं कर पा रही है। दूसरे पूरे आठ घंटे चले अभियान में सात और आतंकी मारे गए। पाकिस्तान दावा करता है कि सुरक्षा बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन असलियत यह है कि टीटीपी की बढ़ती शक्ति और लगातार जारी हमलों ने पूरे क्षेत्र में अस्थिरता फैला दी है। स्थानीय लोग भी अब पाकिस्तान सरकार की नाकामी से परेशान हैं और सुरक्षा एजेंसियों पर भरोसा खोते जा रहे हैं।

पाकिस्तान की ढुलमुल नीति का नतीजा

मारे गए आतंकियों से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुए। यह पाकिस्तान की उस ढुलमुल नीति का नतीजा है जिसने दशकों तक आतंकी संगठनों को पनाह दी और उनका इस्तेमाल पड़ोसी देशों के खिलाफ किया। अब वही संगठन पाकिस्तान में ही सिर उठा रहे हैं और सुरक्षा तंत्र को चुनौती दे रहे हैं।

एक और बड़ी नाकामी बेनकाब

अब्शार चौक बन्नू में 10 किलो का बम मिलने और उसे निष्क्रिय करने की घटना यह साफ दिखाती है कि पाकिस्तान आतंकियों के जाल को खत्म नहीं कर पा रहा। घी के डिब्बे में छिपाया गया बम एक बड़े हमले की साजिश का हिस्सा था, जिसे समय रहते रोका गया। लेकिन यह खतरा हर बार टलना पाकिस्तान की असफलता का प्रमाण है, सफलता का नहीं।

गाजा सिटी में कार पर हवाई हमला, चार लोगों की मौत,संघर्षविराम पर फिर सवाल

गाजा सिटी,22 नवम्बर 2025। गाजा सिटी के व्यस्त रिमाल इलाके में शनिवार को हुए एक संदिग्ध हवाई हमले ने एक बार फिर इलाके में तनाव बढ़ा दिया। स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार, एक कार पर हुए धमाके में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमला इतना तेज था कि वाहन तुरंत आग की लपटों में घिर गया और आसपास मौजूद लोग मौके पर दौड़कर आग बुझाने और घायलों को बाहर निकालने की कोशिश करने लगे। इजराइली सेना ने घटना की पुष्टि करने से पहले कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब 10 अक्टूबर को लागू हुए संघर्षविराम ने दो साल से चले आ रहे गाजा युद्ध में थोड़ी राहत पहुंचाई थी। इस समझौते के चलते बड़ी संख्या में फिलस्तीनी लोग अपने बर्बाद घरों की ओर लौट रहे हैं, वहीं इजराइल ने कई शहरों से सेना की तैनाती पीछे खींची है और मानवीय सहायता का प्रवाह भी बढ़ा है। इसके बावजूद क्षेत्र में अशांति पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। कई विश्लेषकों का मानना है कि अलग-अलग गुटों की सक्रियता और छोटे स्तर पर हो रहे हमले संघर्षविराम की मजबूती पर लगातार सवाल खड़े कर रहे हैं। फिलस्तीनी स्वास्थ्य एजेंसियों के अनुसार, समझौता लागू होने के बाद भी गाजा में इजराइली कार्रवाइयों में 300 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। दूसरी ओर, इजराइल का कहना है कि समझौता अवधि में उसके तीन सैनिक मारे गए और उसने 'सक्रिय लड़ाकों' पर कई जवाबी कार्रवाइयां की हैं।

भारत की राष्ट्रपति ने श्री सत्य साई बाबा के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष सत्र में भाग लिया

आध्यात्मिक संगठन राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं : राष्ट्रपति

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2025। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रशांति निलयम, पुट्टपर्थी, आंध्र प्रदेश में श्री सत्य साई बाबा के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में विशेष सत्र में भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन काल से ही हमारे ऋषि-मुनि अपने कर्मों और वचनों से समाज का मार्गदर्शन करते रहे हैं। इन महान आत्माओं ने समाज कल्याण के लिए अनेक कार्य किए हैं। श्री सत्य साई बाबा का ऐसे महापुरुषों में विशेष स्थान है। उन्होंने सदैव समाज कल्याण के लिए कार्य किया है। श्री सत्य साई बाबा ने इस विश्वास पर बल दिया कि 'मानवता की सेवा ही ईश्वर की सेवा है' और अपने अनुयायियों को इस आदर्श का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस प्रकार, उन्होंने आध्यात्म को लोक कल्याण की ओर उन्मुख किया। उन्होंने आध्यात्म को निस्वार्थ सेवा और व्यक्तिगत परिवर्तन से जोड़ा और लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।राष्ट्रपति ने कहा कि श्री सत्य साई बाबा ने अनेक सामाजिक कल्याण कार्यों के माध्यम से आदर्शों को वास्तविकता में बदलने का एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। श्री सत्य साई सेंट्रल ट्रस्ट छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाली निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता है जिसमें शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ चरित्र निर्माण का भी समावेश होता है। शिक्षा के साथ-साथ, निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा के माध्यम से भी सत्य साई बाबा के मिशन को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के हज़ारों सूखा प्रभावित गाँवों में पेयजल उपलब्ध कराना भी उनकी दूरदर्शिता का परिणाम है। राष्ट्रपति ने कहा कि सत्य साई बाबा के संदेश 'सबसे प्रेम करो, सबकी सेवा करो' और 'सदैव सहायता करो, कभी किसी को दुःख न पहुँचाओ' शाश्वत और सार्वभौमिक है। उनका मानना था कि विश्व हमारा विद्यालय है और पाँच मानवीय मूल्य– सत्य, नैतिकता, शांति, प्रेम और अहिंसा– हमारा पाठ्यक्रम हैं। मानवीय मूल्यों की उनकी शिक्षाएँ सभी संस्कृतियों और सभी कालों के लिए सत्य है। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र निर्माण सभी संगठनों का कर्तव्य है और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के अनुरूप कार्य करना आवश्यक है। आध्यात्मिक संगठन इसमें महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। भारत सरकार नागरिकों के जीवन को सुगम और सरल बनाने के लिए अनेक कदम उठा रही है ताकि वे अपनी प्रतिभा और क्षमताओं का उपयोग राष्ट्र के विकास में कर सके। सभी धर्मार्थ संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र और नागरिकों को भारत सरकार के इन प्रयासों में योगदान देना चाहिए। उनका योगदान 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगा।

बांग्लादेश में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हुई,200 घायल लोगों का इलाज जारी....

ढाका,22 नवम्बर 2025। बांग्लादेश में तेज भूकंप के झटके में मरने वालों की संख्या शनिवार सुबह तक बढ़कर 10 हो गई। इनमें ढाका में 4, नरसिंहडी में 5 और नारायणगंज में 01 व्यक्ति की मौत हुई। इस दौरान करीब 200 घायल लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।सरकार ने राहत और बचाव कार्य के साथ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। एक दिन पूर्व शुक्रवार सुबह 10:38 बजे बांग्लादेश में भूकंप के तेज झटके से आम लोगों में भारी अफरातफरी मच गई। ढाका ट्रिब्यून ने बांग्लादेश मौसम विभाग के हवाले से बताया है कि रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.7 रही, जिसका केंद्र नरसिंहड के माधबाड़ी में था। हालांकि विभाग ने इसे मध्यम तीव्रता का भूकंप बताया लेकिन इससे जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। भूकंप के दौरान ज्यादातर लोगों की मौत दहशत के दौरान हुई अफरातफरी और भगदड़ के कारण हुई। अबतक इसे 10 लोगों की मौत हो गई। ढाका में 4 लोगों की मौत हो गई। ढाका के अरमानी टोला में एक इमारत की छत की रेलिंग गिरने से 03 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बंशाल पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर आशीष कुमार घोष ने इन मौतों की पुष्टि की। जबकि ढाका के मुग्दा इलाके के मदीना बाग में भूकंप के दौरान एक निर्माणाधीन इमारत की रेलिंग गिरने से 50 वर्षीय सुरक्षा गार्ड मोहम्मद मकसूद की मौत हो गई। मुग्दा पुलिस (जांच) के इंस्पेक्टर असदुज्जमां ने सुरक्षाकर्मी की मौत की पुष्टि की। इसी तरह नरसिंहडी में 05 और नारायणगंज में 01 व्यक्ति की मौत हुई है। इनमें नरसिंगडी में सदर उपजिला से उमर (10), उसके पिता दिलवर हुसैन और पलाश उपजिला के मालितापारा से काज़ेम अली भुइया (75), नासिर उद्दीन (60) और जॉयनगर यूनियन, शिबपुर के अज़कीटोला गांव से फोरकान मियां (45) शामिल हैं। नारायणगंज के रूपगंज में दीवार गिरने से 10 महीने की बच्ची फातिमा की मौत हो गई। बच्ची की मां कुलसुमा बेगम (30) और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए। अंतरिम सरकार की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहाँ बेगम ने कहा कि कई लोग घबराहट के कारण घायल हुए हैं। सरकार ने राहत और बचाव कार्य के साथ नुकसान के आकलन का आदेश दिया है। आपदा प्रबंधन विभाग में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है और जनता से सहायता के लिए 0258811651 पर कॉल करने का आग्रह किया गया है। बांग्लादेश में अब तक का सबसे बड़ा भूकंप 1762 में आया था। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.5 थी। इसे 'ग्रेट अराकान अर्थक्वेक' के नाम से जाना जाता है। इसके चलते बांग्लादेश में भी भारी नुकसान हुआ था। भूकंप के आधे घंटे के अंदर 6 से 15 मीटर तक ऊंची सुनामी ने चटगांव शहर को पूरी तरह तबाह कर दिया। सदरघाट और आसपास के बड़े इलाके हमेशा के लिए समुद्र में डूब गए।

नेपाल के संसदीय चुनाव में भाग लेगी नेपाली कांग्रेस,सीपीएन (यूएमएल) अब भी विरोध में

काठमांडू,22 नवम्बर 2025। नेपाली संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के 5 मार्च को प्रस्तावित चुनाव में नेपाली कांग्रेस ने अंततः सहभागी होने का औपचारिक निर्णय ले लिया है, जबकि सीपीएन (यूएमएल) अब भी इसके विरोध में है।नेपाली कांग्रेस की शनिवार को यहां आयोजित केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में संसदीय चुनाव में हिस्सा लेने के लिए रविवार को निर्वाचन आयोग को लिखित जानकारी देने का फैसला किया गया। नेपाली कांग्रेस के महामंत्री गगन थापा ने बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि प्रतिनिधि सभा के चुनाव की तिथि घोषित हो चुकी है।

वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति का उचित समाधान चुनाव ही है, अपनी इसी सोच के तहत नेपाली कांग्रेस ने चुनाव में सहभागी होने का निर्णय लिया है।थापा ने बताया कि नेपाली कांग्रेस ने जनवरी में होने वाले संसद के उच्चसदन राष्ट्रीय सभा के चुनाव और मार्च में होने वाले प्रतिनिधि सभा के चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग को लिखित जानकारी देने का निर्णय किया है।

उधर,सीपीएन (यूएमएल) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा 'ओली' ने प्रतिनिधि सभा के पुनर्गठन होने तक शक्ति प्रदर्शन जारी रखने की घोषणा की है। भूकुटीमंडप में यहां एक सभा को संबोधित करते हुए ओली ने कहा कि यह कोई चुनावी सभा नहीं है। यह देश और लोकतंत्र बचाने, संविधान बचाने और जनता के अधिकारों की रक्षा करने के लिए आयोजित जनसभा है। उल्लेखनीय है कि नेपाल में चुनाव में भाग लेने से पहले पार्टियों को निर्वाचन आयोग को लिखित जानकारी देनी पड़ती है।

CMYK

सहकारी कर्मचारी हड़ताल पर...

इधर समितियों में रबी सीजन के लिए डीएपी-यूरिया का संकट

प्रशासन का पूरा फोकस सिर्फ धान खरीदी पर...किसानों को खाद-बीज कौन देगा ? कर्ज, परमिट, खाद-बीज उठाव सब ठप्प,किसान भटक रहे,फसल का भविष्य अंधेरे में

-रवि सिंह-

कोरिया,22 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले की सहकारी समितियों में इस बार रबी सीजन के शुरुआती दौर में ही खाद संकट ने किसानों की कमर तोड़ दी है। डीएपी, यूरिया और इफको खाद की भारी कमी के चलते किसान समिति और सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटते-काटते थक चुके हैं, रबी सीजन शुरू हो चुका है,गेहूं,चना, सरसों,मसूर और तिलहन-दलहन बोआई का समय निकल रहा है, लेकिन समितियों में खाद की उपलब्धता शून्य जैसी है, रबी सीजन की शुरुआत में ही खाद संकट, कर्मचारी हड़ताल और प्रशासनिक लापरवाही ने किसानों की कमर तोड़ दी है, सरकार धान खरीदी को अपनी उपलब्धि साबित करने में जुटी है, लेकिन खेती की जड़ों, खाद, बीज, परमिट और कर्ज को अनदेखा किया जा रहा है, सबसे बड़ा सवाल किसान खेती कैसे करे, जब खाद-बीज ही उपलब्ध न हों?

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संगठनों की प्रतिक्रियाएँ

खाद आपूर्ति के लिए सोमवार को ज्ञापन सौंपेंगे:रुद्र साहू-

सांसद प्रतिनिधि रुद्र साहू बोले खाद नहीं मिलने से किसान त्रस्त हैं, गेहूं-चना की बोआई अटकी पड़ी है, सोमवार को खाद आपूर्ति के लिए ज्ञापन सौपेंगे।

जल्द खाद न आई तो समितियों का घेराव करेंगे:प्रकाश चंद्र साहू

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष ने चेतावनी दी, किसान परेशान हैं, शासन-प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा। आपूर्ति जल्द नहीं हुई तो आंदोलन और घेराव किया जाएगा।

किसानों पर किसी का ध्यान नहीं:पुष्पेंद्र राजवाड़े-

कोरिया जन सहयोग समिति अध्यक्ष बोले, खाद-बीज नहीं, दलहन के बीजों का अब तक आबंटन तक नहीं हुआ। प्रशासन किसानों को सबसे आखिर में देख रहा है।

कर्मचारी हड़ताल पर,समितियों में किसानों को सुनने वाला कोई नहीं

समिति कर्मचारी लगातार हड़ताल पर हैं। उनकी गैर-मौजूदगी में समितियों की पूरी व्यवस्था चरमरा चुकी है, कर्ज चुकता करना, परमिट काटना, खाद उठाव, बीज वितरण सभी काम ठप्प हैं,प्रशासन ने प्रभार में नए कर्मचारियों को बैठाया है पर किसानों के अनुसार उन्हें समितियों का अनुभव ही नहीं,वे सिर्फ धान खरीदी में उलझे हुए हैं।

नए कर्मचारियों का फोकस सिर्फ धान खरीदी तक,बाकी काम बिल्कुल बंद

सरकार ने कृषि अधिकारियों व पंचायत सचिवों को अस्थायी तौर पर समिति संचालन का काम दिया है, लेकिन वे धान खरीदी में उलझे हुए हैं, प्रशासन बाहर संदेश देने में लगा है कि कर्मचारी हड़ताल के बावजूद धान खरीदी सुचारू है,पर जमीनी हकीकत यह है कि धान खरीदी किसी तरह हो रही है, और बाकी सभी कार्य पूरी तरह ठप हैं किसानों को न कोई सुनने वाला, न कोई मार्गदर्शन देने वाला।

सोनहत में डीएपी का एक भी बोरा नहीं,रजौली,रामगढ़, सोनहत तीनों समितियों में स्टॉक खत्म

पूरे जिले में डीएपी की किल्लत तो है ही,लेकिन सोनहत में एक भी बोरा उपलब्ध नहीं है,रजौली व रामगढ़ समितियों में तो इफको और यूरिया तक नहीं है, गेहूं बोआई का समय निकल रहा है और तिलहन-दलहन फसलों के लिए यह समय सबसे महत्वपूर्ण होता है,किसान परेशान जाएं तो जाएं कहाँ?

डीएपी क्यों ज़रूरी ?

जड़ों को करता है मजबूत,प्रारंभिक विकास पर सीधा असर फास्फोरस पौधों की जड़ों को मजबूत बनाता है और अंकुरण में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है, नाइट्रोजन, फास्फोरस फसल का आधार इस कमी का सीधा असर उत्पादन, पौध विकास और भविष्य की पैदावार पर पड़ता है, तिलहन-दलहन के लिए डीएपी अनिवार्य, रबी सीजन के शुरुआती चरण में डीएपी उपलब्ध न होना मतलब, फसल की नींव कमजोर उत्पादन कम किसानों का नुकसान निश्चित।

वन विभाग के तत्परता से घायल महिला की बची जान

हाथी की गतिविधियों पर सतत् निगरानी,ग्रामीणों को किया गया सतर्क

-संवाददाता-

जशपुरनगर,22 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

वनमंडल जशपुर के अंतर्गत वन परिक्षेत्र पत्थलगांव के परिसर सुखरापारा में आज प्रातः एक लोनर हाथी के आगमन से उत्पन्न स्थिति में वन विभाग की त्वरित कार्यवाही से घायल महिला की जान बचाई गई। डीएफओ जशपुर वनमण्डल ने बताया कि हाथी वन परिक्षेत्र कापू,वनमंडल धरमजयगढ़ से होते हुए सुखरापारा क्षेत्र की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान ग्राम सुखरापारा निवासी 60 वर्षीय श्रीमती कमलाबाई पति श्री मदीनसाय राउत खेत में स्थित डबरी में मछलियों को देखने गई हुई थीं। अचानक हाथी से आमने-सामने हो जाने पर हाथी ने उन्हें सूंड से उठाकर खेत में फेंक दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना की सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं आर.आर.टी. टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। टीम द्वारा बिना देर किए घायल महिला को सुरक्षित उठाकर सिविल अस्पताल पत्थलगांव पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। वन विभाग द्वारा नियमानुसार तत्कालिक सहायता राशि भी उपलब्ध करा दी गई है।

तराईडांड डकैती कांड मामले में कथित फरार तीन और को किया गया गिरफ्तार

-संवाददाता-

कोरबा,22 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तराईडांड में 11 नवंबर की रात शत्रुघ्न दास के घर हुई सनसनीखेज डकैती कांड में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में फरार चल रहे कथित तीन और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में इस कार्यवाही का खुलासा किया गया था । इस मामले में पुलिस पहले ही 19 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी थी, जिनसे नकदी, हथियार और वारदात में इस्तेमाल वाहन भी बरामद किए गए थे। कुछ कथित आरोपी लगातार फरार चल रहे थे, जिनकी तलाश में पुलिस की विशेष टीम प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में लगातार दबिश दे रही थी। पुलिस ने अब जिन तीन कथित आरोपियों को पकड़ा है, उन सभी के विरुद्ध धारा 310(2), 310(4), 61 बीएनएस तथा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। अधिकारियों द्वारा जानकारी देते हुए बताया जा रहा हैं कि नई गिरफ्तारी के साथ तराईडांड डकैती कांड की पूरी साजिश लगभग स्पष्ट हो चुकी है। पुलिस का दावा है कि अब तक कुल 22 कथित आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और मामले की कड़ियां तेजी से जुड़ रही हैं। वहीं शेष अन्य कथित फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीम लगातार जमीनी स्तर पर तलाशी अभियान चला रही है। पुलिस की इस कार्यवाही से क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर लोगों में भरोसा बढ़ा है, जबकि डकैती कांड का पर्दाफाश होने से वारदात के पीछे की पूरी कहानी भी सामने आने लगी है।

क्या धर्मांतरण का रैकेट चला रहा है पास्टर बजरंग जायसवाल ? कटघोरा पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

-संवाददाता-

कटघोरा,22 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

नगर के वार्ड नंबर 2 तहसीलभाठा क्षेत्र में धार्मिक तनाव और शोर-शराबे को लेकर शनिवार को स्थिति गंभीर हो गई,जब मोहल्ले के दर्जनों रहवासी प्रशासन के दरवाज़े तक अपनी शिकायत लेकर पहुँचे. वार्डवासियों का आरोप है कि स्थानीय निवासी बजरंग जायसवाल द्वारा लंबे समय से धार्मिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है,जिसके चलते क्षेत्र में असंतोष और अशांति बढ़ती जा रही है।

धर्मांतरण कराने का आरोप,लाउडस्पीकर से फैल रहा शोर

मोहल्लेवासियों ने बताया कि बजरंग जायसवाल पर धर्मांतरण का प्रयास करने और अपने घर में तेज़ आवाज़ में लाउडस्पीकर बजाने का आरोप है. लोगों का कहना है कि जब भी कोई आपत्ति जताई जाती है तो उनके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जाता है। ग्रामीणों के अनुसार, कई बार बजरंग जायसवाल द्वारा हिंदू देवी-देवताओं के प्रति भी अभद्र टिप्पणियाँ की गईं,जिससे स्थानीय लोगों की भावनाएँ आहत हुई हैं।

एसडीएम कार्यालय और थाना पहुँचकर सौंपा ज्ञापन

इन सभी समस्याओं से परेशान होकर आज वार्ड के महिला और पुरुषों का एक समूह एसडीएम कार्यालय और कटघोरा थाना पहुँच गया। लोगों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा और प्रशासन से तत्काल और सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई।

न्यायालय तहसीलदार लटोरी, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
रा0प्र0क्र0 /ब-121 वर्ष
ग्राम- बृजनगर प0ह0न0 .....

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भोज कुमारी आ0 प्रेमसाय जाति चेरवा निवासी ग्राम बृजनगर प0ह0न0.....रा0नि0म0..... तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के माता स्व0 समीरा बाई का मृत्यु दिनांक 13/05/2003 को ग्राम बृजनगर में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतू ग्राम पंचायत बृजनगर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई भी आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 02/12/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 14/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालन दण्डाधिकारी
लटोरी, जिला-सूरजपुर छ0ग0
सील

कोरिया में डीएमएफ मद का नया खेल!

प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग के नाम पर करोड़ों खर्च

एक भी छात्र चयनित नहीं

नेता-अधिकारी गठजोड़ पर गंभीर आरोप

1 करोड़ की राशि कोचिंग के नाम पर डकारी गई-सूत्र

प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग के नाम पर करोड़ों खर्च,पीएससी चयन सूची में जिले के कोचिंग सेंटर से किसी का नाम नहीं

एक अधिकारी,एक नेता के करीबी ने क्या करोड़ों की राशि कोचिंग के नाम पर खुद डकारी

जिले के सरकारी कोचिंग सेंटर को लेकर उठ रहे सवाल,डीएमएफ मद के बंदरबाट का नया खेल

कभी नहीं होता कोचिंग से किसी का चयन,फिर भी कोचिंग के नाम पर चलता है भ्रष्टाचार का खेल,सूत्र

50-50 लाख का बंटवारा,नेता व अधिकारी के करीबियों को मिला लाभ

सूत्रों के अनुसार एक कोचिंग संस्था अधिकारी के करीबी की, दूसरी संस्था नेता के करीबी की, दोनों को 50-50 लाख देकर कोचिंग चलाने का दिखावा किया गया परिणाम? पूरे जिले से एक भी चयन नहीं! अब आशंका है कि आने वाले दिनों में कोचिंग संस्थाएँ किसी अन्य चयनित छात्र का नाम अपने खाते में जोड़कर अपनी उपलब्धि दिखाने की कोशिश करेंगी।

डीएमएफ मद- भ्रष्टाचार का सबसे आसान माध्यम!

डीएमएफ मद के दुरुपयोग को लेकर पहले भी कई आरोप लगते रहे हैं, लेकिन शिक्षा के नाम पर युवाओं को ठगना, सबसे शर्मनाक और अमानवीय भ्रष्टाचार माना जा रहा है, जिले में यह प्रश्न गूंज रहा है छात्रों के भविष्य की कीमत पर कब तक भ्रष्टाचार का यह खेल चलता रहेगा?

-रवि सिंह-

कोरिया,22 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में डीएमएफ मद को लेकर एक बार फिर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। इस बार मामला है प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग के नाम पर करोड़ों रुपये डकारने का, सूत्रों का दावा है एक अधिकारी और एक नेता के बेहद करीबी लोगों ने कोचिंग केंद्रों के नाम पर पूरे एक करोड़ रुपये बांट लिए, जबकि पूरे साल में इन कोचिंगों से एक भी छात्र किसी परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हुआ,यह आरोप पीएससी की अंतिम चयन सूची जारी होने के बाद जोर पकड़ चुका है, क्योंकि सूची में जिले के सरकारी कोचिंग सेंटर का एक भी विद्यार्थी शामिल नहीं है। कोरिया जिले में डीएमएफ मद का उपयोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए किया जाना था, लेकिन आरोपों के अनुसार इस पूरी योजना को नेता-अधिकारी गठजोड़ ने निजी कमाई का माध्यम बना दिया, अब पीएससी के नतीजों ने पूरे मॉडल की सच्चाई खोलकर रख दी है 1 करोड़ खर्च – परिणाम शून्य।

सूत्रों के अनुसार इस वर्ष 1 करोड़ रुपए कोचिंग के नाम पर जिला खनिज न्यास मद से दो कोचिंग संस्थाओं को प्रदान की गई और जब पीएससी परीक्षा परिणाम सामने आया जिले से एक भी छात्र कोचिंग में पढ़ने वाला चयन सूची में नाम दर्ज नहीं करा पाया,बताया जाता है कि एक कोचिंग संस्था एक अधिकारी के किसी करीबी का है और एक संस्था एक नेता के करीबी का है,नेता अधिकारी मिलकर डीएमएफ मद से 1 करोड़ डकार गए और उस राशि से किसी को लाभ मिलता नजर नहीं आया,वैसे यह पहला वर्ष नहीं है जब ऐसा हुआ हो,बताया जाता है कि कोचिंग संस्थाएं अपनी उपलब्धि बताने उन छात्रों का नाम सामने रखती हैं जो कहीं और पढ़कर किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होते हैं और उसी को आधार बनाकर डीएमएफ मद में सेंध लगाई जाती है,यह खेल कबसे जारी है यह तो जांच का विषय है लेकिन सूत्रों के अनुसार विगत कुछ वर्षों से यह खेल भ्रष्टाचार का एक अधिकारी के संरक्षण में खेला जा रहा है जिसमें नेताओं का भी हिस्सा तय है।

1 करोड़ रुपये खर्च...शून्य परिणाम

सूत्रों के अनुसार डीएमएफ मद से 1 करोड़ रुपये दो कोचिंग संस्थानों को दिए गए,दोनों ही संस्थान एक अधिकारी व एक नेता के करीबी लोगों के बताए जाते हैं,एक वर्ष में इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद एक भी चयन नहीं हुआ, अब सवाल उठ रहा है क्या यह कोचिंग थी या डीएमएफ मद का सीधा बंदरबांट?

उपस्थिति पंजी खोल देगा पूरा राज़

सूत्रों का मानना है कि कोचिंग संस्थाओं का केवल उपस्थिति पंजी ही पूरी पोल खोल सकता है,उससे साफ हो सकता है कितने छात्रों ने वास्तव में कोचिंग ली,किसका चयन हुआ,किस बैच में कौन उपस्थित था,किसने कब अध्ययन किया,यदि यह रिकॉर्ड जांचा गया तो पूरा खेल उजागर हो सकता है।

कोचिंग संस्थाओं का पुराना खेल-दूसरों की सफलता को अपनी उपलब्धि बताकर फंड हड़पना

सूत्र बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों से कोरिया जिले में यह कोचिंग खेल लगातार चल रहा है, कोचिंग संस्थाएँ उन छात्रों की सफलता को अपनी बताती हैं जो कहीं और पढ़े होते हैं, इन्हीं फर्जी उपलब्धियों को दिखाकर डीएमएफ की राशि हर साल निकाली जाती है, इस पूरे खेल को एक प्रभावशाली अधिकारी का संरक्षण प्राप्त होने की बात भी कही जा रही है, जबकि नेताओं का हिस्सा भी तय बताया जा रहा है।

महिला की अश्लील फोटो वायरलः आरोपी को जशपुर पुलिस ने उड़ीसा में धर दबोचा

-संवाददाता-

जशपुरनगर,22 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

शादीशुदा महिला की अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को जशपुर पुलिस ने उड़ीसा में घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी घटना के दिन से ही फरार था,जिसकी लगातार टेक्निकल व मुखबिर तंत्र के माध्यम से लोकेशन ट्रेस की जा रही थी।

थाना फरसाबहार क्षेत्रांतर्गत 24 अक्टूबर 2025 को 32 वर्षीय महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अगस्त माह में उसके ससुराल गांव में गृह निर्माण के दौरान पलास्तर कार्य हेतु आरोपी सोलेमान शेख (उम्र 28 वर्ष,निवासी ग्राम खरीदपुर, थाना सती,जिला मुर्शिदाबाद-पश्चिम बंगाल) सहित कुछ मजदूर कार्य पर लगे हुए थे। इसी दौरान आरोपी ने काम का बहाना बनाकर महिला का मोबाइल नंबर ले लिया तथा दोनों में व्हाट्सऐप व वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत होने लगी।

बातचीत के दौरान आरोपी ने प्यार का झांसा देकर महिला के निजी क्षणों के स्क्रीनशॉट ले लिए। जब महिला के पति को इसकी जानकारी हुई, तो आरोपी को काम से हटा दिया गया। इसी नाराजगी में 23 अक्टूबर 2025 को आरोपी ने महिला की अश्लील फोटो इंस्टाग्राम पर वायरल कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 79 एवं आईटी एक्ट की धारा 67(A) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में आरोपी की तलाश के लिए एक विशेष टीम गठित की गई। प्रारंभिक पता-साजी में पता चला कि आरोपी कोलकाता में छिपा है। लेकिन पुलिस टीम के पहुंचने पर वह वहां से फरार हो गया। टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर उसका पीछा जारी रखा गया और अंततः उसे उड़ीसा राज्य के खम्हार,जिला अंगुल से गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसने वीडियो कॉलिंग के दौरान महिला के निजी अंगों के स्क्रीनशॉट लेकर उन्हें वायरल किया। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी जप्त कर लिया है, जिसके डाटा की जांच जारी है। आरोप प्रमाणित पाए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजने की प्रक्रिया जारी है।

गिरफ्तारी में निरीक्षक संदीप कुमार कौशिक,उप निरीक्षक सुरजन राम पोर्ते, प्रधान आरक्षक अमरनाथ पैंकरा,रिझन राम,तथा साइबर सेल के आरक्षक संदीप पैंकरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर ने कहा कि महिलाओं की अश्लील फोटो वायरल करने जैसे संवेदनशील अपराधों में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राष्ट्रीय जम्बूरी लखनऊ,उत्तरप्रदेश में जशपुर से 28 स्काउट गाइड एवं प्रभारी होंगे शामिल

-संवाददाता-

जशपुरनगर,22 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

डायमंड जुबली एवं 19 वी राष्ट्रीय जम्बूरी लखनऊ उत्तर प्रदेश में 23 से 29 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है,जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त स्काउट जशपुर प्रमोद कुमार भटनागर जी के मार्गदर्शन में जिले से 9 स्काउट एवं 14 गाइड के साथ 2 राज्य प्रभारी के रूप में अनिता तिग्गा (जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड जशपुर) प्रीति सुधा किस्पोट्टा (जिला संगठन आयुक्त गाइड जशपुर) जिला प्रभारी हेमन्त कुमार पैंकरा (जिला संगठन आयुक्त स्काउट) गंगोत्री पैंकरा (गाइडर), वंदना पैंकरा (गाइडर) को मिलाकर कुल 28 स्काउट एवं गाइड तथा प्रभारी शामिल होंगे। इंदरजीत सिंह खालसा (राज्य मुख्य आयुक्त) जितेंद्र कुमार साहू (राज्य सचिव) के निर्देशानुसार जम्बूरी हेतु पूर्व अभ्यास शिविर का आयोजन 18 से 20 नवंबर तक राज्य प्रशिक्षण केंद्र झांकी अभनपुर रायपुर में किया गया था जिसमें जशपुर जिले के समस्त प्रतिभागी जंबूरी में होने वाले गतिविधि व प्रतियोगिता सामूहिक नृत्य गीत,मार्च पास्ट,फिजिकल डिस्प्ले,फूड प्लाजा,स्किल ओ रामा, एसडीजी,झांकी,क्विज,रंगोली, फैंसी ड्रेस,ऐडवेंचर सहित कई एक्टिविटी का हिस्सा बनेंगे जिला संघ जशपुर के सदस्य स्थानीय संघ के सदस्य तथा अधिकारी कर्मचारी ने सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय जंबूरी में बेहतर प्रदर्शन तथा पूर्ण सहभागिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

सरगुजा कमिश्नर नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने दुलदुला क्षेत्र के मतदान केन्द्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

-संवाददाता-

जशपुरनगर,22 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा कमिश्नर नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने शनिवार को दुलदुला तहसील के मतदान केंद्र सीरिमकेला मकरीबंधा एक एवं दो का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ऐप में किए जा रहे डिजिटाइजेशन प्रक्रिया की जानकारी ली और गणना पत्रक को सही तरीके से भरकर शीघ्र प्राप्त कर समय सीमा में कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया। उन्होंने सभी बीएलओ को प्रतिदिन 100 फार्म के दिए गए लक्ष्य को पूरा करने के लिए कहा ताकि मतदाता का एसआईआर कार्य समय पर पूरा किया जा सके। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्रों पर बीएलओ,अविहित अधिकारी, सुपरवाइजर सभी उपस्थित थे। उन्होंने मकरीबंधा एक के बीएलओ हीरा तंजन के कार्य की सराहना की गई उक्त बीएलओ के द्वारा 700 मतदाताओं का लगभग 83: डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

CMYK

सड़क दुर्घटना की भेंट चढ़ा 37 साल का पंजाबी सिंगर

कार हादसे में गंवाई जान,फैन्स का टूटा दिल

मशहूर पंजाबी गायक हरमन सिद्धू की शनिवार को मानसा जिले के ख्याला गांव में एक भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई। वह 37 साल के थे। पीटीसी न्यूज के अनुसार, यह दुर्घटना मानसा जिले के निकट ख्याला गांव में मानसा-पटियाला मार्ग पर हुई, जहां उनकी कार एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और हरमन सिद्धू की मौके पर ही मौत हो गई।

हरमन सिद्धू का परिवार

हरमन सिद्धू के आकस्मिक निधन से प्रशंसकों और संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। गायक हरमन सिद्धू मिस पूजा के साथ कागज या प्यार गाने से मशहूर हुए थे। दिवंगत गायक अपने पीछे विधवा पत्नी और एक बेटी छोड़ गए हैं। उनके पिता का डेढ़ साल पहले निधन हो गया था। हरमन सिद्धू के युगल गीत लोकप्रिय हुए। उनके एल्बम कागज ते प्यार ने उन्हें अपार लोकप्रियता दिलाई और उन्हें रातोंरात मशहूर बना दिया। मिस पूजा के साथ उनकी जोड़ी बहुत हिट होती। उन्होंने मिस पूजा के साथ कई संगीत एल्बमों में काम किया था। युगल गीत गाने के बाद, हरमन सिद्धू दूसरी पारी शुरू करने के लिए तैयार थे। उनके दोनों नए गाने 2025 के अंत तक रिलीज़ हो जाने थे। उनके बोल पारिवारिक बंधनों या सामाजिक विषयों पर आधारित होने के कारण उन्हें जेनरेशन ज़ेड का बहुत प्यार मिला।

शूटिंग के लिए गए थे मनसा

परिवार द्वारा प्रेस को दी गई जानकारी के अनुसार,सिद्धू अपने गानों की शूटिंग के लिए मानसा गए थे और काम पूरा करने के बाद घर लौट रहे थे। गौरतलब है कि हरमन सिद्धू अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। पंजाबी संगीत उद्योग को पिछले कुछ महीनों में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। हरमन सिद्धू से पहले, राजवीर जवंदा और गुरमीत मान ने भी अंतिम सांस ली। जहां पंजाबी लोक गायक गुरमीत मान ने हृदय संबंधी जटिलताओं के कारण 10 अक्टूबर, 2025 को अंतिम सांस ली, वहीं जवंदा की हृदय विदारक मृत्यु की खबर 8 अक्टूबर, 2025 को आई। गायक-अभिनेता का एक भीषण सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद निधन हो गया।

3 अफेयर...1 टूटी शादी

"बिग बॉस 14 फेम पवित्रा पुनिया जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा चर्चा में रहीं पवित्रा पुनिया की एजाज खान से सगाई हुई थी, लेकिन 2024 में उनका ब्रेकअप हो गया। कथित तौर पर एक्ट्रेस पर अपने पहले पति को चीट करने का आरोप लग चुका है।"

2026 में फिर दुल्हनिया बनेंगी पवित्रा पुनिया, 39 साल की एक्ट्रेस का कौन है दूल्हा? पवित्रा पुनिया 2026 में बनेंगी दुल्हनिया 39 साल की उम्र में करने वाली हैं दूसरी शादी? टीवी एक्टर एजाज खान से टूटी थी उनकी सगाई

पवित्रा पुनिया टेलीविजन की वह एक्ट्रेस हैं, जो हमेशा से ही अपने रिश्ते हो या फिर कोई मुद्दा, उस पर खुलकर बात करती हैं। बालवीर, इश्क की दास्तां जैसे शोज में नजर आईं पवित्रा पुनिया तब लाइमलाइट में आई थीं, जब वह सलमान खान के विवादित शो बिग बॉस 14 का हिस्सा बनी और यहां पर उनकी लव स्टोरी एजाज खान के साथ शुरू हुई।

दोनों ने गुपचुप सगाई भी की,लेकिन फरवरी 2024 में उनका ब्रेकअप हो गया। उनसे दूर होने के बाद पवित्रा को एक बार फिर प्यार हुआ और अब वह जल्द ही मिस पवित्रा से मिसेज पुनिया बनने जा रही हैं।

कब शादी के बंधन में बंधेगी पवित्रा पुनिया?

बॉम्बे टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, पवित्रा पुनिया इस वक्त अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत पलों को जी रही हैं और वह अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करने के लिए काफी एक्साइटेड हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पवित्रा पुनिया अपने यूएस बेस्ड बिजनेसमैन ब्वॉयफ्रेंड के साथ साल 2026 में मिड मार्च में शादी के बंधन में बंधेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी शादी में केवल परिवार के लोग और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे।

टीवी एक्ट्रेस पवित्रा पुनिया ने इस साल 22 अक्टूबर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर करके फैंस को अपने ब्वॉफ्रेंड से इंट्रोड्यूज करवाया था, जो उनकी रिंग फिंगर में अंगूठी पहना रहे थे। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए पवित्रा ने लिखा था, लॉक इन..मैंने ये ऑफिशियली बता दिया कि जल्द ही मिसेज बनने वाली हूं। हालांकि, उनके होने वाले पति कौन है, उनका नाम और शक्ल दोनों ही पवित्रा ने रिवील नहीं किए हैं।

एजाज खान के साथ इन एक्टर्स को किया डेट

बिग बॉस 14 फेम पवित्रा पुनिया ने सिर्फ एजाज खान को ही डेट नहीं किया है,बल्कि एक्ट्रेस का नाम पारस छाबड़ा और प्रतीक सहजपाल जैसे एक्टर्स के साथ जुड़ चुका है। इन दोनों के अलावा एक्ट्रेस ने साल 2015 में सुमित महेश्वरी नामक बिजनेसमैन से सगाई भी की थी, लेकिन जल्द ही उनकी इंगेजमेंट टूट गई, जिसके बाद 2020 में सुमित ने पवित्रा के खिलाफ कई दावें किए थे। सुमित महेश्वरी उन्होंने फिफाफूज नामक यूट्यूब चैनल को ये बताया था कि पवित्रा और वह मंगेतर नहीं, बल्कि पति-पत्नी थे और एक्ट्रेस ने उन्हें चार बार चीट किया है। उन्होंने बताया था कि दोनों ने सगाई के बाद शादी भी कर ली थी, लेकिन पवित्रा ने उसे हमेशा छुपाकर रखा। हालांकि, पवित्रा की तरफ से इस पर कभी भी कोई आधिकारिक जानकारी शेयर नहीं की गई।

हार्दिक पांड्या और माहिका शर्मा ने कर ली सगाई?

प्रेग्नेंसी रूमर्स पर तोड़ी चुप्पी, बोली- मैं बस...

हार्दिक पांड्या की सगाई की अफवाहें तब उड़ीं,जब उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा को हीरे की अंगूठी पहने देखा गया। इसके बाद से ही यह अंदाजा लगाया गया जा रहा कि कपल ने गुपचुप सगाई कर ली है,लेकिन अब माहिका ने अपनी प्रेग्नेंसी और सगाई पर चुप्पी तोड़ी है। इंडियन क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ उनकी 24 साल की गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा संग सगाई की अफवाहें उड़ रही हैं,जब से उनकी रिंग फिंगर में एक बड़ी डायमंड रिंग देखकर कई लोगों को लगा कि दोनों ने अपने रिलेशनशिप के कुछ ही महीनों में चुपके से सगाई कर ली है। इन अटकलों के बीच हार्दिक ने चुप रहने का फैसला किया है, लेकिन माहिका ने वायरल रिपोर्ट्स पर जवाब दिया है। मॉडल और एक्ट्रेस माहिका शर्मा ने अपनी प्रेग्नेंसी और सगाई के बारे में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर इन रूमर्स पर चुप्पी तोड़ी है।

हार्दिक पांड्या संग सगाई पर माहिका शर्मा का रिएक्शन

शुक्रवार शाम,21 नवंबर को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर माहिका ने गुलाबी बालों वाली एक काली बिल्ली के बच्चे की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, मैं इंटरनेट पर देख रही हूं कि मेरी सगाई हो गई है, जबकि मैं बस हर दिन अच्छी ज्वेलरी पहनती हूं।

हार्दिक पांड्या की गर्लफ्रेंड ने प्रेग्नेंसी पर तोड़ी चुप्पी

एक और इंस्टाग्राम स्टोरी में माहिका शर्मा ने मजाक में कहा कि जल्द ही उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें भी सुर्खियां बन सकती हैं। इस बीच माहिका ने एक आदमी की टॉय कार चलाते हुए तस्वीर अपलोड की और लिखा, %क्या मैं प्रेग्नेंसी की अफवाहों से लड़ने के लिए इसमें आऊंगी? बता दें कि 10 अक्टूबर को हार्दिक और माहिका को मुंबई एयरपोर्ट पर एक साथ देखा गया, जो एक कपल के तौर पर उनकी पहली पब्लिक अपीयरेंस थी।

हार्दिक पांड्या और माहिका शर्मा की उम्र में अंतर

माहिका से पहले उनके बारे में अफवाह थी कि वह सिंगर जैस्मिन वालिया को डेट कर रहे हैं, जो हिट बॉम डिग्गी के लिए जानी जाती हैं, लेकिन उन्होंने कभी अपने रिश्ते को कन्फर्म नहीं किया। भले ही वह उनके मैचों में देखी जाती थीं। हार्दिक का जन्म 11 अक्टूबर 1993 को हुआ था और वह अभी 32 साल के हैं, जबकि माहिका, जिन्होंने 2023 में अपना 22वां जन्मदिन मनाया। उनका जन्म 2001 में हुआ था और अब वह 24 साल की हैं। ऐसे में माहिका शर्मा क्रिकेटर हार्दिक से 8 साल छोटी हैं।

खेल-समाचार

लक्ष्य सेन ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे

चोउ तिएन चेन को हराया फाइनल में जापान के युशी तनाका से आज मुकाबला

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2025। भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में चीनी ताइपे के वर्ल्ड नंबर-6 चोउ टिएन चेन को तीसरे गेम में हराया। सिडनी के स्टेट स्पोर्ट्स सेंटर में शनिवार को लक्ष्य ने 17-21, 24-22, 21-16 से जीत दर्ज की।

वर्ल्ड चैंपियनशिप 2021 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लक्ष्य ने शुरुआती गेम में मिली हार के बाद वापसी की। उन्होंने 86 मिनट तक चले मैच में तीसरे गेम में जीत दर्ज की। अब रविवार को फाइनल में उनका सामना जापान के 26वीं रैंक युशी तनाका से होगा।

चेन के खिलाफ चौथी जीत

14वीं रैंकिंग वाले लक्ष्य ने चोउ तिएन चेन को चौथी बार हराया। इससे पहले भी इस साल दोनों का सामना हांगकांग ओपन के सेमीफाइनल में हुआ था, जहां लक्ष्य ने 23-21, 22-20 से जीत दर्ज की थी। मुकाबले की शुरुआत चेन ने तेज की और पहला गेम 21-17 से अपने नाम किया।

दूसरे गेम में भी उन्होंने 7-4 की बढ़त बनाई, लेकिन लक्ष्य ने स्कोर 12-12 कर मुकाबले में वापसी की। पीछे चल रहे लक्ष्य ने 14-17 के अंतर को पलट दिया और 20-18 की बढ़त बना ली। हालांकि गेम निर्णायक स्थिति तक गया, लेकिन लक्ष्य ने तीन मैच प्वाइंट बचाकर गेम 24-22 से जीत लिया।

तीसरे गेम में एकतरफा जीत दर्ज की

तीसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी पूरी तरह हावी रहा। लक्ष्य ने 21-16 से मुकाबला जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। यह लक्ष्य का वर्ल्ड टूर 2025 का दूसरा फाइनल होगा। टूर्नामेंट में अब लक्ष्य सेन अकेले भारतीय खिलाड़ी बचे हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी को हराया था। वहीं भारत मेंस डबल्स में भारत की चुनौती समाप्त हो गई है। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम सुल्तान अजलान शाह कप में तैयार

इपोह,22 नवम्बर 2025। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 23 से 30 नवंबर तक मलेशिया के इपोह में अपना सुल्तान अज़लान शाह कप 2025 कैंपेन शुरू करने के लिए तैयार है। पांच बार टूर्नामेंट जीतने के बाद, भारत सुल्तान अज़लान शाह कप में दूसरी सबसे सफल टीम है और 2019 के बाद से टूर्नामेंट में अपनी पहली मौजूदगी दर्ज कराने के लिए तैयार है, जब वे रनर-अप रहे थे। आने वाला टूर्नामेंट सुल्तान अज़लान शाह कप का 31वां एडिशन होगा, जिसे दुनिया भर के सबसे प्रतिष्ठित इनविटेशनल हॉकी टूर्नामेंट में से एक माना जाता है। इस साल के एडिशन में भारत, बेल्जियम, कनाडा, कोरिया, न्यूज़ीलैंड और मेज़बान मलेशिया शामिल होंगे, जो राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में मुकाबला करेंगे, जिसमें टॉप दो टीमें फाइनल के लिए क्वालिफ़ाई करेंगी। कैप्टन संजय की लीडरशिप में, इंडियन टीम 23 नवंबर को कोरिया के खिलाफ अपना कैंपेन शुरू करेगी। इसके बाद मेन इन ब्लू टीम 24 नवंबर को बेल्जियम, 26 नवंबर को मलेशिया और 27 नवंबर को न्यूज़ीलैंड से खेलेगी, और फिर 29 नवंबर को कनाडा के खिलाफ अपना लीग कैंपेन खत्म करेगी।

जिउ-जित्सु टीम ने इस्लामिक सॉलिडैरिटी गेम्स में आठ मेडल जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया

रियाध,22 नवम्बर 2025। यूएई की जिउ-जित्सु टीम ने रियाद में इस्लामिक सॉलिडैरिटी गेम्स में अपना कैंपेन आठ मेडल के साथ खत्म किया। उन्होंने कॉम्पिटिशन के आखिरी दिन चार गोल्ड, दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज़ मेडल जीते। मेडल जीतने वालों में खालिद अल-शेही शामिल थे, जिन्होंने 62 कि.ग्रा. डिवीज़न में गोल्ड जीता; शम्मा अल-कलबानी, जिन्होंने 63 द्यह्द कैटेगरी में गोल्ड जीता; अस्मा अल-होसानी, जिन्होंने 52 कि.ग्रा. डिवीज़न में गोल्ड जीता; और महदी अल अवलाकी, जिन्होंने 77 कि.ग्रा. लेवल पर सिल्वर मेडल जीता। नेशनल टीम ने मेडल टेबल में टॉप पर रहते हुए अपना कैंपेन खत्म किया, दूसरे नंबर पर मौजूद कज़ाकिस्तान और तीसरे नंबर पर मौजूद सऊदी अरब से आगे। आठ अमीराती एथलीटों की सफलता ने कॉम्पिटिशन में टीम की ताकत को दिखाया। यूएई जिउ-जित्सु फेडरेशन के चेयरमैन, जू-जित्सु एशियन यूनियन के प्रेसिडेंट और जिउ-जित्सु इंटरनेशनल फेडरेशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अब्दुलमुनेम अलसैयद मोहम्मद अलहाशमी ने टीम के मेंबर्स को बधाई दी। उन्होंने कहा- ÷एक ही महीने में एशियन यूथ गेम्स, थाईलैंड में वर्ल्ड चैंपियनशिप और फिर इस्लामिक सॉलिडैरिटी गेम्स में कामयाबियों का यह सिलसिला बनाए रखना बहुत बढ़िया है। यह एक इंटीग्रेटेड सिस्टम के अंदर काम करने का नतीजा है जिसमें एथलीट्स के परिवार, क्लब और फेडरेशन के पार्टनर्स शामिल हैं।

नितीश राणा को मिली इस टीम की कप्तानी...

दिग्वेश राठी का काटा गया पत्ता, कुछ ही समय पहले हुई थी भयंकर लड़ाई

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2025। नीतीश राणा को 26 नवंबर से शुरू होने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए शनिवार को दिल्ली की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। राणा का उत्तर प्रदेश से आने के बाद मौजूदा घरेलू सत्र में दिल्ली के लिए यह पहला टूर्नामेंट होगा। उन्हें दिल्ली की रणजी ट्रॉफी टीम में जगह नहीं मिली है।

दिल्ली की टीम में बड़े बदलाव

आयुष बडोनी और यश ढुल दोनों की अगुआई वाली दिल्ली की टीम अब तक रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी है। एलीट ग्रुप डी में दिल्ली पांच मैच में आठ अंक के साथ छठे स्थान पर है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2017-18 की चैंपियन टीम अब राणा के नेतृत्व में टी20 टूर्नामेंट में किस्मत बदलने की उम्मीद करेगी। लेग स्पिनर दिग्वेश राठी को 23 खिलाड़ियों की टीम में जगह नहीं मिली है। अभी तक यह पता नहीं चला है कि वह चोटिल हैं या नहीं।

इन खिलाड़ियों पर भी नजर

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने कहा कि तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा,हर्षित राणा और नवदीप सैनी अगर उपलब्ध होंगे तो टीम में शामिल होंगे। पूर्व भारतीय स्पिनर सरनदीप सिंह की कोचिंग वाली दिल्ली को ग्रुप डी में झारखंड, कर्नाटक, उत्तराखंड, राजस्थान, तमिलनाडु, सौराष्ट्र और त्रिपुरा के साथ रखा गया है। टीम के सभी मैच अहमदाबाद में होंगे।

दिल्ली की टीम इस प्रकार है:-

नीतीश राणा (कप्तान), प्रियांश आर्य, सार्थक रंजन, आयुष बडोनी,अर्पित राणा, आयुष दोसेजा,मयंक रावत, तेजस्वी (विकेटकीपर),अनुज रावत (विकेटकीपर),हिम्मत सिंह,यश ढुल, सिमरजीत सिंह,राहुल डागर,यश भाटिया, अंकित राजेश कुमार,हर्ष त्यागी, सुयश शर्मा,प्रिंस यादव,मनी ग्रेवाल,रोहन राणा, ध्रुव कौशिक, आर्यन राणा, वैभव कंडपाल।

15 साल बाद राजस्थान से जुड़कर रवींद्र जडेजा खुश

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2025। रवींद्र जडेजा आईपीएल के उन्नीसवें सीज़न से पहले अपनी पुरानी टीम के साथ फिर से जुड़ गए। वे एक ट्रेड डील के ज़रिए चेन्नई सुपर किंग्स से राजस्थान रॉयल्स में चले गए। जडेजा का कहना है कि वे उस टीम के लिए फिर से खेलने के लिए उत्सुक हैं जहाँ से उन्होंने अपना आईपीएलकरियर शुरू किया था। जडेजा का कहना है कि उस फ्रैंचाइज़ के साथ उनकी कई अच्छी यादें हैं। वे कहते हैं कि एक क्रिकेटर के तौर पर उनका सफ़र वहीं से शुरू हुआ था। ट्रेडिंग की बातचीत के दौरान उनके मन में क्या चल रहा था,यह इस ऑलराउंडर के शब्दों में है। जडू ने कहा,जब मेरे लिए ट्रेडिंग डील चल रही थी, तो मेरे मन में उस फ्रैंचाइज़ के लिए फिर से खेलने का आइडिया आया जहाँ से मेरा सफ़र शुरू हुआ था। एक क्रिकेटर के तौर पर मेरा सफ़र वहीं से शुरू हुआ था। उस समय के कप्तान,स्वर्गीय शेन वॉर्न,मुझे रॉकस्टार कहते थे। मैं उस फ्रैंचाइज़ में वापस जाकर बहुत खुश हूँ। मैं पंद्रह साल बाद राजस्थान वापस जा रहा हूँ। इसीलिए मैं राजस्थान के लिए खेलने के लिए उत्सुक हूँ। अभी,मैं उस स्टेज पर हूँ जहाँ मैं क्रिकेट का मज़ा लेता हूँ। मुझे वे लोग पसंद हैं जो मुझे प्यार से बुलाते हैं। मुझे वे लोग पसंद हैं जो मुझे बधाई देते हैं और पूरे दिल से मेरा सम्मान करते हैं।

क्या सरकारी स्कूल शिक्षक पढ़ाने लायक नहीं... इसलिए अब कुत्ते भगाने की ड्यूटी सौंप दी गई?

हाईकोर्ट सख्त,विभाग लाचार... और शिक्षक असहाय...

स्कूलों के आसपास आवारा कुत्तों पर कार्रवाई के आदेश...पर सवाल ये कि पढ़ाएगा कौन?

सरकारी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा खतरे में,शिक्षा की गुणवत्ता पहले से ही नीचे,अब अध्यापकों पर कुत्ते भगाने का बोझ...

क्या शिक्षा विभाग खुद मान चुका है कि शिक्षक पढ़ा नहीं पा रहे... इसलिए अब फोकस कुत्ता नियंत्रण पर?

क्या सरकारी शिक्षक अब पढ़ाएंगे नहीं...सिर्फ कुत्ते भगाएंगे?

शिक्षा व्यवस्था पर सवाल और आदेशों की उलझन ने खोली कई परतें

न्यूज डेस्क

रायपुर,22 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों से पढ़ाई की उम्मीद टूट चुकी है,क्या यही वजह है कि कांग्रेस सरकार में गौठानों के लिए मवेशी संभालने का बोझ डाला गया और अब भाजपा सरकार में स्कूलों से कुत्ते भगाने की जिम्मेदारी थमा दी गई है? शिक्षा व्यवस्था पहले से ही लड़खड़ा रही है,और विभाग की नीतियाँ इसे और हास्यास्पद बना रही हैं,जिन शिक्षकों को बच्चों का भविष्य संभालना चाहिए, उन्हीं से अब कुत्ते भगाने,रिपोर्ट बनाने, मटर छीलने,स्वेटर बाँटने और गैर-शैक्षणिक काम करवाए जा रहे हैं, सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं,लेकिन विभाग की तरफ से जारी हो रहे 'अजीबोगरीब आदेश' चर्चा और विवाद दोनों का कारण बन रहे हैं। हालिया निर्देशों में शिक्षक पढ़ाई छोड़कर कुत्ते भगाने,सवाल यह है कि क्या सरकार को अब यह स्वीकार है कि शिक्षक पढ़ाने का काम ठीक से नहीं कर पा रहे? छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने राज्य के स्कूलों में बच्चों पर बढ़ते कुत्ते हमलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए सभी जिलों को 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट देने का आदेश दिया है,लोक शिक्षा संचालनालय ने पशुपालन विभाग के पत्र के आधार पर तत्काल कार्रवाई की अनिवार्यता लागू कर दी है,लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने एक और बड़ा सवाल उठाया है जब सरकारी शिक्षक पढ़ाई छोड़कर सर्वे, गौठान,पंचायत कार्य और अब कुत्ते भगाने जैसे कामों में झोंके जा रहे हैं,तो शिक्षा व्यवस्था सुधरेगी कैसे? शिक्षा विभाग का नया आदेश केवल प्रशासनिक कठोरता नहीं,यह सरकारी शिक्षा प्रणाली का आईना है, शिक्षकों ने खुद वर्षों तक जो अनदेखी की उसका बोझ आज कुत्ता भगाने,गौठान,सर्वे, फाइलों और रिपोर्टिंग के रूप में उनके सिर पर ही आ रहा है,अगर शिक्षक अपनी असली भूमिका–पढ़ाना-पढ़ाना और सिर्फ पढ़ाना–निभाएँ,तो सरकारें कभी ऐसे आदेश जारी करने की हिम्मत भी नहीं कर पायेगा।

क्या यह आदेश शिक्षकों की कार्यप्रणाली की देन है?

जब पढ़ाई नहीं हुई,तो गैर-शैक्षणिक कामों का बोझ बढ़ना ही था,यह कड़वा सच है कि यह नया आदेश–कुत्ता भगाने वाला फरमान–कहीं न कहीं सरकारी स्कूलों में वर्षों से चली आ रही शिक्षकों की कमजोर कार्यप्रणाली और गैर-जिम्मेदारी का भी परिणाम है, सरकारी स्कूलों में शिक्षक तनख्वाह समय पर लेते हैं,लेकिन पढ़ाई की गुणवत्ता पर न गंभीरता,न परिणामों की जिम्मेदारी,शिक्षिकाएँ स्कूल में स्वेटर बुनते,गैप भरते,मटर छीलते दिख जाती थीं,यह दृश्य किसी एक जिले या एक ब्लॉक का नहीं पूरे राज्य में आम है, वहीं कई पुरुष शिक्षक स्कूल समय में नदारत,और उनकी उपस्थिति सिर्फ वेतन बिल में दर्ज। परिणाम–शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ टूट गई बच्चों का सीखने का स्तर गिरा, अभिभावकों का भरोसा टूटा,और सरकारी स्कूल गरीबों की मजबूरी बनकर रह गए। यही कार्यप्रणाली सरकारों को मजबूर करती रही? कांग्रेस में गौठान का बोझ,अब भाजपा में कुत्ता भगाने का फरमान, सरकारें बार-बार यह मान चुकी हैं कि है की शिक्षक पढ़ाई में उतना योगदान नहीं दे पा रहे,तो फिर इन्हें दूसरे प्रशासनिक काम में लगा दो।

सच्चाई कड़वी जरूर है...पर यही है...

जब शिक्षा नहीं सुधरी,तो आदेश उलझे हुए आते ही रहेंगे,यदि सरकारी स्कूलों में,शिक्षक अपनी भूमिका गंभीरता से निभाएँ,उपस्थिति वास्तविक हो,कक्षा में पढ़ाई हो,और परिणाम दिखें तो न सरकारों को यह दिन देखने पड़ते, न शिक्षकों को कुत्ता भगाने जैसे शर्मनाक आदेश झेलने पड़ते।

विशेषज्ञों की टिप्पणी

नेताओं–अधिकारियों के बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ें,तब व्यवस्था सुधरेगी–यह सवाल वर्षों से उठा है कि जब शिक्षक,नेता,अधिकारी अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाते हैं,तो सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता कौन सुधारेगा? अगर शासकीय शिक्षक,विधायक,कलेक्टर,विभागीय सचिव,शिक्षा अधिकारियों के बच्चे सरकारी स्कूल में हों,तो न केवल पढ़ाई सुधरेगी,बल्कि ऐसे 'उलटे-सीधे आदेश' भी आना बंद होंगे।

हाईकोर्ट सही...पर शिक्षा विभाग की प्राथमिकताएँ गलत...

आवारा कुत्तों पर नियंत्रण जरूरी है बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है,लेकिन यह भी उतना ही सच है कि शिक्षक पर इतना गैर-शैक्षणिक बोझ डालने से शिक्षा का स्तर और गिर रहा है, पंचायत और निकाय अपनी जिम्मेदारी से बचते हैं और बोझ स्कूलों पर डाल देते हैं विभाग सिर्फ कोर्ट के आदेश पर सक्रिय होता है,बच्चों की पढ़ाई कभी उसकी प्राथमिकता नहीं बनती?

आखिर शिक्षा व्यवस्था में सुधार कौन करेगा?

आज स्थिति यह है कि शिक्षक पढ़ाने के बजाय आदेशों की पूर्ति में लगे हैं, बच्चों का आधारभूत सीखने का स्तर गिर रहा है, अभिभावक सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर भरोसा नहीं कर पा रहे, सरकारें दिखावे के प्रयोग कर रही हैं, मूल समस्या को नहीं छू रहीं, शिक्षक पढ़ाने के बजाय कुत्ते भगाने या सर्वे भरने में लगेंगे तो शिक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं,बल्कि मजाक बन जाएगी। सरकारी शिक्षकों और अधिकारियों के बच्चे यदि खुद सरकारी स्कूलों में पढ़ें तभी शिक्षा सुधार की वास्तविक शुरुआत होगी।

कांग्रेस सरकार में

- गौठानों में मवेशी पहुँचाने
- गतिविधियों की मॉनिटरिंग
- योजनाओं के सर्वे

भाजपा सरकार में

- स्कूलों से आवारा कुत्ते भगाने
- पंचायत को रिपोर्ट भेजने
- आपदा जैसी त्वरित कार्रवाई जैसे आदेश

शिक्षकों पर इतना बोझ इसलिए बढ़ा–क्योंकि विभाग को खुद भरोसा नहीं रहा कि स्कूलों में शिक्षा सुचारू चलेगी।

चौपाटी नहीं हटाने को लेकर जमकर हुआ हंगामा..कार्रवाई जारी

कांग्रेस नेता विकास उपाध्याय समेत कई गिरफ्तार

रायपुर,22 नवम्बर 2025। राजधानी रायपुर में साइंस कॉलेज मैदान स्थित चौपाटी को हटाने को लेकर शनिवार तड़के बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। चौपाटी हटाने की कार्रवाई के विरोध में शुक्रवार देर रात से समर्थकों और दुकानदारों के साथ धरना दे रहे कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक विकास उपाध्याय को पुलिस ने आज सुबह हिरासत में ले लिया। पुलिस उन्हें अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ अस्थायी रूप से बनाई गई रायपुर सेंट्रल जेल लेकर पहुंची है। जानकारी के अनुसार, निगम द्वारा चौपाटी हटाने की चेतावनी दिए जाने के बाद क्षेत्र के व्यवसायियों में रात से ही बेचैनी बनी हुई थी। शुक्रवार देर रात पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी सहित कई कांग्रेसी नेता चौपाटी पहुंचे और दुकानदारों के समर्थन में धरने पर बैठ गए। कांग्रेसियों ने आरोप लगाया कि बिना पुनर्वास और बातचीत के नगर

निगम अचानक जबरन कार्रवाई कर रहा है, जो सरासर अन्याय है।

कांग्रेस नेताओं ने कही ये बात : हालांकि, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चौपाटी से हजारों लोगों की रोजी-रोटी जुड़ी है और बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के इसे हटाना गैरमानवीय है। उनका आरोप है कि सरकार राजनीतिक प्रतिशोध में यह कार्रवाई कर रही है। वहीं,प्रशासन का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। सुबह से ही आसपास के क्षेत्रों में यातायात डायवर्ट किया गया है ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। फिलहाल चौपाटी से कब्जा हटाने की कार्रवाई जारी है, जबकि कांग्रेस नेताओं और दुकानदारों का विरोध भी अलग-अलग स्थानों पर जारी है। मामले के चलते शहर के राजनीतिक माहौल में तनाव साफ देखा जा रहा है।

दुकानदारों को शिफ्टिंग के लिए नोटिस नहीं मिला

व्यापारियों का कहना है कि एक दिन पहले यानी 21 नवंबर को नगर निगम की टीम चौपाटी पहुंची थी। दुकानदारों को शिफ्टिंग की सूचना दी थी। इस दौरान व्यापारियों ने मौके पर ही आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि उन्हें पहले से कोई नोटिस नहीं मिला। व्यापारियों का आरोप है कि बिना बातचीत के किए,बिना तैयारी और बिना विकल्प दिए दुकानों को हटाने से उनका कारोबार ठप हो गया है। बिना तैयारी के अचानक आमानाका भेजने को कहा जा रहा है। ऐसे में उनके सामने परेशानी खड़ी हो गई है।

निर्माणाधीन अस्पताल से हो रही सिलसिलेवार चोरी का खुलासा,तीन शातिर गिरफ्तार

रायगढ़,22 नवम्बर 2025। चक्रधरनगर थाना क्षेत्र के बड़े अतरमुड़ा मांझापारा स्थित निर्माणाधीन कल्याण अस्पताल में पिछले कई दिनों से हो रही कॉपर पाइप और उपकरणों की चोरी का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामला तब सामने आया जब अस्पताल निर्माण कार्य की देखरेख कर रहे डॉ. बेदप्रकाश पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 15 नवंबर से अज्ञात चोर लगातार ऑक्सीजन पाइप काटकर ले जा रहे हैं। 20 नवंबर की रात करीब 12.30 बजे कंप्यूटर ऑपरेटर ईश्वर प्रसाद निराला और ड्राइवर भुनेश्वर गबेल मौके पर पहुंचे, जहां दो युवक चोरी करते पकड़ाए और पूछताछ में उन्होंने अपना नाम नंदू दास महंत और अंशुल पंजवानी बताया। सूचना पर डायल 112 मौके पर पहुंचकर दोनों को हिरासत में ले गई। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी नंदू दास महंत अपने साथियों विशाल गुप्ता और चंदन राय के साथ मिलकर कई दिनों से अस्पताल में लगी ऑक्सीजन पाइपलाइन, कॉपर वायर और सामान काटकर चोरी कर बेच रहे

थे। चोरी की गई सामग्री को दो अलग-अलग फेरीवालों के माध्यम से बेचकर आरोपी पैसे को आपस में बांटते और खर्च कर देते थे। पुलिस ने आरोपियों से चोरी का भारी सामान बरामद किया जिसमें 6 बंडल कॉपर पाइप, ऑक्सीजन मेन फोल्ड, ऑक्सीजन आउटलेट, वैक्यूम आउटलेट, ग्लाइडर मशीन, ड्रिल मशीन, 2 बंडल कॉपर वायर, 2 सीलिंग फैन सहित अन्य सामग्री जब्त की गई जिसकी कुल कीमत लगभग 2,22,162 है। जांच के दौरान फरार एक अन्य आरोपी चंदन राय को भी पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया।

बुजुर्ग ने किया अप्राकृतिक सेक्स,दुर्ग में गिरफ्तार

दुर्ग,22 नवम्बर 2025। मोहन नगर थाना पुलिस ने 60 साल के परमसुख सोनी को नाबालिग से अप्राकृतिक कृत्य के जुर्म में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपनी स्कूटी में लिफ्ट देने के बहाने नाबालिग को अपनी हवस का शिकार बनाया। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात 17 वर्षीय नाबालिग ने आरोपी से स्कूटी पर लिफ्ट मांगी. इसके बाद कुछ दूर जाते ही आरोपी ने नाबालीग से अश्लील हरकत करना शुरू कर दिया। आरोपी पहले पीड़ित को किस किया और मना करने के बावजूद उसके संवेदनशील अंगों को छूने लगा. घटना के बाद बालक घबराकर किसी तरह अपने घर पहुंचा। उसने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़ित के परिजनों ने तुरंत मोहननगर थाना में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए मोहननगर पुलिस ने आरोपी पर धारा 296/12 तथा पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कोर्ट में उसे पेश किया,जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दुर्ग नेशनल हाइवे में बड़ा हादसा

महिला एचआर की मौत

दुर्ग,22 नवम्बर 2025। जिले में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। नेशनल हाइवे 53 पर स्थित भिलाई पावर हाउस ओवरब्रिज के पास ट्रेलर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। मृतिका का नाम साक्षी द्विवेदी (28 साल) है, जो राजनांदगांव में एबिस प्लांट में एचआर एग्जीक्यूटिव थी। घटना छावनी थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक,साक्षी आज छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से पावर हाउस स्टेशन उतरी थी। इसके बाद वह बाइक पर बैठकर अपने पिता के साथ मायके जा रही थी।

जर्जर सड़कों पर कांग्रेस का प्रदर्शन...सीएम साय समेत मंत्रियों की तस्वीरें लेकर सड़क पर उतरे कांग्रेसी

बिलासपुर, 22 नवम्बर 2025। बिलासपुर में नगर निगम की जर्जर सड़कों को लेकर कांग्रेसियों ने आज दोपहर मोपका से धान मंडी जाने वाली सड़क पर करीब दो घंटे तक प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव और बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला की तस्वीरें लेकर सवाल उठाया कि खराब सड़कों के लिए कौन जिम्मेदार है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय केशरवानी ने इस प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लगातार सैकड़ों करोड़ रुपए की घोषणाएं की जा रही हैं, लेकिन आम जनता के आवाजाही वाली जर्जर सड़कों के सुधार के लिए कोई कार्य नहीं हो रहा है।

100 करोड़ की सड़क निर्माण पर उठे सवाल : केशरवानी ने यह भी आरोप लगाया कि अरपा नदी के किनारे एक सुनसान जगह पर 100 करोड़ रुपए की सड़क बनाई जा रही है। जहां रसूखदारों के प्लॉट हैं। उन्होंने सवाल किया कि यह किसके इशारे पर और किन्हें लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।

आंदोलन को 70 वार्डों तक ले जाने की घोषणा

विजय केशरवानी ने घोषणा की कि यह आंदोलन बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के मोपका से शुरू हुआ है और इसे नगर निगम के सभी 70 वार्डों में विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के नगर निगम क्षेत्र में कॉलोनियों,मुख्य सड़कों और ग्रामीण वार्डों सहित सभी जगहों की सड़कें खस्ताहाल हो चुकी हैं।

जरूरत पड़ी तो कलेक्टर से लेकर मंत्री तक घेराव

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा के दो साल के कार्यकाल में आम जनता पानी,बिजली,सड़क जैसी बुनियादी सहूलियतों के लिए परेशान,त्रस्त हो चुकी है। बेलतरा का उदाहरण देकर उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में नित नई नई घोषणाएं की गई कि ये रोड बन रही है,वो बनेगी,लेकिन हालत यह है कि एक भी रोड की रिपेयरिंग तक नहीं जा सकी है। केशरवानी ने चेतावनी दी कि सड़क सुधार नहीं हुआ,जनता की समस्याएं हल नहीं की गई तो स्थानीय जनता के साथ मिलकर वह कलेक्टर का घेराव करेंगे ।

नवंबर को नक्सलियों का प्रतिरोध दिवस! हिड़मा की मौत के बाद नक्सलियों ने जारी किया पत्र...

रायपुर,22 नवम्बर 2025। नक्सली कमांडर हिडमा की मौत के बाद नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय ने एक पत्र जारी किया है। पत्र के मुताबिक हिडमा समेत 6 नक्सलियों के मारे जाने के बाद 23 नवंबर को प्रतिरोध दिवस मनाने का फैसला लिया गया है।

18 नवंबर को हुई थी मुठभेड़ : 18 नवंबर 2025 को छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश की सीमा पर नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने खूंखार नक्सल कमांडर हिड़मा समेत 6 नक्सली ढेर कर दिया। इन 6 नक्सलियों की मौत के बाद नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी ने आंदोलन करने की बात कही है। इससे पहले तक नक्सली

अपना विरोध नक्सल 'बंद' के जरिए जताते थे, लेकिन इस बार नक्सलियों ने प्रतिरोध दिवस मनाने का ऐलान किया है।

नक्सलियों ने पत्र में क्या लिखा : अभय का दावा है कि 'हिड़मा इलाज के लिए विजयवाड़ा गया था, जहां उसे पकड़कर सरेंडर कराने की कोशिश की गई। सुरक्षा बल हिड़मा को जीवित सरेंडर कराना चाहते थे लेकिन असफल होने पर उसे और उसके साथ मौजूद 6 अन्य नक्सलियों को मार दिया गया। 'नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी का कहना है कि हिड़मा की मौत सिर्फ एक ऑपरेशन का हिस्सा नहीं, बल्कि शीर्ष नेतृत्व को खत्म करने की एक बड़ी रणनीति है। प्रेस नोट में नक्सलियों ने पुलिस पर मानवाधिकार उल्लंघन के भी आरोप लगाए हैं और जनता से 'विरोध दिवस' में शामिल होने की अपील की है।

अमित बघेल को गिरफ्तारी से राहत

बिलासपुर, 22 नवम्बर 2025। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी प्रमुख अमित बघेल के खिलाफ कथित हेट स्पीच के आरोपों को लेकर दायर याचिका पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया. कोर्ट ने याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि चल रही आपराधिक जांच में न्यायालय हस्तक्षेप नहीं कर सकता और न ही किसी आरोपी की गिरफ्तारी का निर्देश दिया जा सकता है. याचिका में बघेल की तत्काल गिरफ्तारी, पुलिस जांच की निगरानी और समयबद्ध कार्रवाई की मांग की गई थी. चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट कहा कि किसी जांच की निगरानी, तरीका तय करना या वरिष्ठ अधिकारी की देखरेख के आदेश देना न्यायालय द्वारा 'क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन का माइक्रो मैनेजमेंट' होगा,जो अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)